● वर्ष-3
● अंक-122
रायपुर, शनिवार 30 दिसंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› शानदार कैरियर का ताना-बाना...

छत्तीसगढ़: मंत्रिमंडल सदस्यों को विभागों का बंटवारा

मुख्यमंत्री के पास सामान्य प्रशासन

विजय गृह एवं जेल, साव लोक निर्माण व ओपी को मिला वित्त

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों को विभागों की जिम्मेदारी दे दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय के पास सामान्य प्रशासन, खनिज साधन, ऊर्जा, जनसंपर्क, वाणिज्यिक कर (आबकारी) और परिवहन विभाग की जिम्मेदारी है, जबकि उपमुख्यमंत्री अरुण साव को लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि और विधायी कार्य तथा नगरीय प्रशासन विभाग जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की जिम्मेदारी दी है।

इसके अलावा राम विचार नेताम के पास आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने बताया कि साय मंत्रिमंडल के सदस्य दयाल दास बघेल खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग और केदार कश्यप वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता विभाग के मंत्री होंगे। लखनलाल देवांगन को

- **विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री**- सामान्य प्रशासन, खनिज साधन, ऊर्जा, जनसंपर्क, वाणिज्यिक कर (आबकारी), परिवहन एवं अन्य विभाग जो किसी मंत्री को आवंटित न हो।
- **अरूण साव, उप मुख्यमंत्री**- लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि और विधायी कार्य एवं नगरीय प्रशासन
- **विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री**- गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
- **बृजमोहन अग्रवाल**-स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संसदीय कार्य, धार्मिकक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग।
- **राम विचार नेताम**- आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग।
- **दयाल दास बघेल**- खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग।
- **केदार कश्यप**- वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता विभाग
- **लखनलाल देवांगन**- वाणिज्य और उद्योग एवं श्रम विभाग
- **श्याम बिहारी जायसवाल**- लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग
- **ओ. पी. चौधरी**- वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग
- **लक्ष्मी राजवाडे**- महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग
- **टंक राम वर्मा**- खेलकूद एवं युवा कल्याण राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

वाणिज्य और उद्योग एवं श्रम विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को जन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा और बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग तथा ओपी चौधरी को वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक तथा सांख्यिकी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण और टंकराम वर्मा को खेलकूद एवं युवा कल्याण तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 54 सीट जीतकर विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनाई है। इस चुनाव में कांग्रेस को 35 और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को एक सीट मिली है। चुनाव में जीत के बाद 13 दिसंबर को एक समारोह में विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री तथा अरुण साव और विजय शर्मा ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। बाद में राजभवन में 22 दिसंबर को नौ विधायक- बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, दयालदास बघेल, केदार कश्यप, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, टंक राम वर्मा और लक्ष्मी राजवाड़े, ने मंत्री पद की शपथ ली थी। नब्बे सदस्यीय विधानसभा वाले छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों की संख्या 13 हो सकती है। वर्तमान में राज्य मंत्रिमंडल में कुल 12 सदस्य हैं। राज्य मंत्रिमंडल के 12 में से छह सदस्य- अरुण साव, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, टंक राम वर्मा और लक्ष्मी राजवाड़े, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से हैं। तथा तीन सदस्य- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, रामविचार नेताम और केदार कश्यप, अनुसूचित जनजाति (एसटी) से हैं। मंत्रिमंडल में अनुसूचित जाति (एससी) से एक सदस्य दयालदास बघेल हैं तथा सामान्य वर्ग से दो सदस्य विजय शर्मा और बृजमोहन अग्रवाल हैं। इसके साथ ही राजवाड़े मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला सदस्य हैं। साय मंत्रिमंडल के सदस्यों में बृजमोहन अग्रवाल, राम विचार नेताम, केदार कश्यप और दयालदास बघेल ने पिछली भाजपा सरकारों में भी मंत्री के रूप में कार्य किया था।

नौकरियों की कमी, महंगाई के आरोप पर सामने आया मोदी का बयान, कही ये बात

रोजगार मुहैया कराना सर्वोच्च प्राथमिकता - प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाधाओं और वैश्विक संकटों के बावजूद, भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के लिए उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने नौकरियों की कमी और बढ़ती महंगाई के विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आइए आरोपों को किनारे रखें और तथ्यों पर चर्चा करें। सदी में एक बार आने वाली महामारी और वैश्विक संघर्षों के कारण वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को बाधित करने और यहां तक कि दुनिया भर में मंदी का दबाव पैदा करने वाले दो वर्षों के बावजूद, भारत ने उल्लेखनीय फ्लेंसीब्लिटी पर बात करें।

पीएम मोदी ने कहा कि भारी बाधाओं, वैश्विक संकटों, आपूर्ति श्रृंखला टूटने और बुनियादी वस्तुओं की वैश्विक कीमतों पर असर डालने वाले भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, 2014-15 से 2023-24 (नवंबर तक) तक औसत मुद्रास्फीति केवल 5.1 प्रतिशत थी, जबकि पिछले 10 वर्षों के दौरान यह 8.2 प्रतिशत थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में चार महीने के निचले स्तर 4.8 प्रतिशत पर गिरने के बाद नवंबर में 5.55 प्रतिशत थी। नवंबर में खाद्य मुद्रास्फीति 8.70 प्रतिशत दर्ज की गई।

नौकरियों की कमी के आरोप पर पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को रोजगार मुहैया कराना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। पीएम मोदी ने कहा कि यह सर्वविदित है कि बुनियादी ढांचे में निवेश का विकास और रोजगार पर कई गुना प्रभाव पड़ता है। इसलिए, हमने पूंजी निवेश परिव्यय में लगातार वृद्धि की है।

2023-24 के बजट ने इसे 1.9 रुपये से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। 2013-14 में लाख करोड़। मेरा मानना ??है कि आपको अपने पाठकों को बताना चाहिए कि यह व्यय कैसे उत्पादक है और आम आदमी के लिए इतने सारे अवसर पैदा करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले साल 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करने जा रहे हैं. इसे लेकर देश में जोरों पर तैयारियां हो रही हैं. राम मंदिर को लेकर भारत में ही नहीं बल्कि अमेरिका में भी काफी उत्साह है. यहां हिंदू अमेरिकी नागरिकों ने राम मंदिर के उद्घाटन का जश्न मनाने की योजना बनाई है.

प्रमुख समाचार

राम मंदिर पर पित्रोदा के बयान से कांग्रेस ने किया किनारा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा की अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के महत्व पर सवाल उठाने वाली हालिया टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया और कहा कि वह इस मामले पर पार्टी के रुख को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। कांग्रेस संचार प्रभारी जयराम रमेश ने स्पष्ट किया कि समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में व्यक्त किए गए पित्रोदा के विचार उनके अपने थे और पार्टी की आधिकारिक स्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। रमेश ने कहा, वह कांग्रेस का दृष्टिकोण नहीं बता रहे हैं, यह उनका दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि पित्रोदा कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं बोलते हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष पित्रोदा ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों पर राम मंदिर पर ध्यान केंद्रित करना उन्हें परेशान करता है। यह बयान 22 जनवरी को राम मंदिर के निर्धारित उद्घाटन से कुछ दिन पहले आया है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंदिर के गर्भगृह में राम लला की मूर्ति स्थापित करने की उम्मीद है। पित्रोदा ने आगामी 2024 लोकसभा चुनावों और राजनीति में धर्म पर अत्यधिक जोर के बारे में अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं।

जदयू में बड़े बदलाव के बीच अलर्ट मोड पर आरजेडी

नई दिल्ली। राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह जदयू के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पार्टी की कमान अपने हाथों में ले ली है। इसे लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इसका असर बिहार की राजनीति के साथ-साथ देश की राजनीति पर भी पड़ने वाला है। इन सबके बीच जदयू में इस बड़े बदलाव पर बिहार में नीतीश कुमार की सहयोगी राजद भी अब सतर्क हो गई है। लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद जदयू में चल रहे घटनाक्रम पर पूरी तरीके से बारीक की नजर रख रही है। ललन सिंह ने आज इस्तीफा देते वक्त नीतीश कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा और सभी ने सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को अध्यक्ष चुन लिया। इन सबके बीच खबर यह भी है कि तेजस्वी यादव विदेश दौरे पर जाने वाले थे। उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया है। 6 जनवरी को तेजस्वी का यह दौरा होने वाला था। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी और तेजस्वी यादव का भी इस पर बयान आया है।

रासभ में आप के नेता नहीं बन पाएंगे राघव चड्ढा, सभापति ने खारिज किया अनुरोध

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के उस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, जिसमें उन्होंने पार्टी सांसद संजय सिंह के स्थान पर राज्यसभा में अंतरिम पार्टी नेता के रूप में राघव चड्ढा की नियुक्ति की मांग की थी। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। आप के सूत्रों ने बताया कि नियुक्ति के अनुरोध को अस्वीकार नहीं किया गया है, हालांकि, कुछ सुधार मांगे गए हैं जिन्हें जल्द ही संबोधित किया जाएगा। संसद के सूत्रों के मुताबिक, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में धनखड़ ने कहा यह पहलू %संसद में मान्यता प्राप्त दलों और समूहों के नेता और मुख्य सचेतक अधिनियम 1998 और उसके तहत बनाए गए नियमों के अधीन है। लागू कानूनी व्यवस्था के अनुरूप नहीं होने के कारण अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा रहा है।

राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति अंतिम चरण में, जल्द हो सकती है घोषणा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि मंत्रालय द्वारा तैयार की जा रही प्रस्तावित राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति अंतिम चरण में है और बहुत जल्द इसकी घोषणा होने की उम्मीद है। उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने प्रस्तावित नीति पर अगस्त में ई-कॉमर्स कंपनियों और व्यापारी संगठन के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की थी। केंद्रीय मंत्री ने यहां नीति से जुड़े एक सवाल पर कहा, सरकार में शीर्ष स्तर पर चर्चा अंतिम चरण में है। उम्मीद है कि हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। इससे पहले, मंत्रालय ने राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीतियों पर दो मसौदे जारी किए थे। साल 2019 के मसौदे में ई-कॉमर्स परिवेश के छह व्यापक क्षेत्रों- डेटा, बुनियादी ढांचा विकास, ई-कॉमर्स बाज़ार, नियामक मुद्दे, घरेलू डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करना और ई-कॉमर्स के माध्यम से निर्यात प्रोत्साहन से जुड़े प्रस्ताव हैं।

केंद्र, असम और उल्फा के बीच ऐतिहासिक समझौता

नई दिल्ली। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के वार्ता समर्थक गुट ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की उपस्थिति में केंद्र और असम सरकार के साथ त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अमित शाह ने कहा कि मेरे लिए खुशी की बात है कि आज असम के भविष्य के लिए एक उज्ज्वल दिन है। लंबे समय तक असम, पूर्वोत्तर को हिंसा का सामना करना पड़ा और 2014 में पीएम मोदी के पीएम बनने के बाद दिल्ली और पूर्वोत्तर के बीच के अंतर को कम करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि अब शांति के साथ विकास के काम में तेजी आएगी। शाह ने कहा कि भारत सरकार, असम सरकार और स्ल्ल के बीच जो समझौता हुआ है, इससे असम के सभी हथियारी गुटों की बात को यहीं समाप्त करने में हमें सफलता मिल गई है। ये असम और उत्तर-पूर्वी राज्यों की शांति के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह पूरे पूर्वोत्तर विशेषकर असम के लिए शांति के दौर की एक नई शुरुआत है। मैं उल्फा प्रतिनिधियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपने भारत सरकार पर जो विश्वास रखा है, गृह मंत्रालय (एमएचए) की ओर से, आपके कहे बिना, सब कुछ पूरा करने के लिए समयबद्ध तरीके से एक कार्यक्रम बनाया जाएगा।

नीतीश को मात दे पाना नहीं है आसान, विरोधियों को कर देते हैं नाकाम

बिहार राजनीति, कूटनीति और अर्थशास्त्र के पंडित माने जाने वाले चाणक्य की धरती है, जिसने चंद्रगुप्त मौर्य को पाटलिपुत्र पर राज करने के तरीकों और राजनीति के रहस्यों से रूबरू करवाया था। बिहार की गद्दी पर पिछले डेढ़ दशक से ज्यादा वक्त से विराजमान नीतीश कुमार को मात दे पाना सियासी दलों और राजनेताओं के लिए आसान कभी न रहा है। बिहार की एक क्षेत्रिय पार्टी जेडीयू जिसमें सेंधमारी की कोशिशें कई हुई और इसे बड़े दलों की ओर से हवा भी मिली लेकिन इन तमाम प्रयासों को नीतीश कुमार ने चुटकी में हवा हवाई कर दिया। ताजा मामले में ललन सिंह को अध्यक्ष पद से हटा नीतीश कुमार ने एक बार फिर अपने एक्शन से साफ़ कर दिया है कि नीति सिद्धांत जो वो कहेंगे वही हैं और उन्हें किसी के साथ विचार विमर्श या नसीहत की ज़रूरत नहीं। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने सुबह अपने पद से इस्तीफा दे दिया और एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार ने पार्टी अध्यक्ष की कमान संभाल ली। नीतीश कुमार ललन सिंह को उनके पद से हटाने की तैयारी पिछले कई दिनों से कर रहे थे। मीडिया सूत्रों से जानकारी सामने आई कि ललन सिंह ने जेडीयू के 10-11 विधायकों के साथ सीक्रेट मीटिंग की थी। रिपोर्ट में दावा किया गया कि ललन सिंह तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। इससे संबंधित प्रस्ताव ललन सिंह ने नीतीश कुमार के सामने भी रखा था जिसे बिहार सीएम ने ठुकरा दिया था। जिसके बाद लालू यादव के साथ डील के तहत ललन सिंह ने जदयू के कुछ विधायकों के साथ गुपचुप मीटिंग की। ललन सिंह तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के मिशन में लगे और बदले में उन्हें राजद से राज्यसभा भेजे जाने का प्रस्ताव भी मिला। सूत्रों ने दावा किया कि मनोज झा का कार्यकाल खत्म हो रहा है और लालू ने तेजस्वी को सीएम बनाने की एवज में ललन सिंह को राज्यसभा भेजने का प्रस्ताव दिया। ललन सिंह इस बार मुंगेर से लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नजर नहीं आ रहे हैं।

हालांकि ऐसा पहली बार नहीं है कि नीतीश ने अध्यक्ष पद की कुर्सी से किसी नेता को हटाते हुए खुद से ये जिम्मेदारी ली हो। इससे पहले इतिहास में ढेरों ऐसे उदाहरण देखने को मिले हैं, जब जेडीयू में टूट की खबर और किसी नेता के सीक्रेट बैठक को लेकर जानकारी सामने आई हो और नीतीश ने ऐसा फैसला लिया हो। शरद यादव से लेकर ललन सिंह तक किरदार बदलते रहे लेकिन कहानी कमोबेश वही रही। इन सब से सबसे महत्वपूर्ण है कि ऑपरेशन जदयू को कई नेताओं और दलों की तरफ से अंजाम देने की कोशिश की गई। लेकिन नीतीश कुमार ने समय रहते हुए न केवल खतरे को भांपा बल्कि उसे मजबूती के साथ काउंटर करते हुए सबसे बड़े लड़ैया बनकर उभरे भी है।

शरद पवार से लेकर जॉर्ज फर्नांडीस तक

असहमत होने पर जॉर्ज फर्नांडिस जैसे समता पार्टी के संस्थापक, शरद यादव जैसे धुरंधर और जय नारायण निषाद व कुशवाहा जैसे अनेक उदाहरण इतिहास को टटोलने पर मिल जाएंगे जो असहमति जताने पर एक झटके में बाहर कर दिए गए। शरद शादव और नीतीश के बीच मनमुटाव तब पैदा हुआ जब नरेंद्र मोदी को पीएम कैंडिडेट घोषित किया गया। इस फैसले से नीतीश इतने नाराज हुए कि उन्होंने एनडीए से 17 साल पुराना नाता तोड़ लिया। तब शरद यादव एनडीए के संयोजक हुआ करते थे और उन्हें इस पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके अलावा लालू के साथ जाना भी यादव को नगावर गुजरा और उन्होंने नीतीश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। परिणामस्वरूप नीतीश ने एक झटके में शरद यादव को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

पीके को पल झपकते ही कर दिया आउट

16 सितंबर 2018 को प्रशांत कुर्ता-पायजामा में नजर आए और इसी तारीख से उनके चुनावी रणनीतिकार से राजनेता का सफर भी शुरू हुआ। 16 सितंबर की सुबह पटना में जदयू मुख्यालय में नीतीश कुमार के हाथों उन्होंने पार्टी की सदस्यता ली। जिसके एक महीने के भीतर ही नीतीश कुमार ने प्रशांत किशोर को जदयू का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी बना दिया। लेकिन कल तक प्रशांत का हाथ पकड़कर उन्हें राजनीति का भविष्य बताने वाले नीतीश सरकार को लेकर आम चुनाव से पहले एक कार्यक्रम में प्रशांत किशोर ने कह दिया कि नीतीश कुमार को राजद से गठबंधन तोड़ने के बाद फिर से चुनाव कराना चाहिए था। जिसके बाद चुनावी भागीदारी से अपनी पार्टी में ही प्रशांत किशोर दरकिनार कर दिए गए थे।

आरसीपी सिंह को कर दिया आउट

नीतीश के गृह जिले नालंदा के मुस्तफापुर गांव के रहने वाले रामचंद्र प्रसाद सिंह उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी थे। वह नीतीश के स्वजातीय यानी कुर्मी हैं। नीतीश ने उन्हें 2010 में ही राज्यसभर भेज दिया फिर 2020 में जेडीयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवा दिया लेकिन दोनों नेताओं में दूरियां तब बढ़ने लगीं, जब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में आरसीपी मंत्री बन गए। आरसीपी पार्टी अध्यक्ष भी थे लेकिन आरसीपी ने तब खुद को ही मंत्री बनवा लिया। नीतीश इससे नाराज हो गए। वह नीतीश के निशाने पर आ गए। दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगीं। 2021 में उन्हें पार्टी अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। उनकी जगह जुलाई 2021 में ललन सिंह को यह पद सौंपा गया। बाद में बिहार की सत्ताधारी पार्टी जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की तरफ से नई टीम की घोषणा की गई। 18 सदस्यीय टीम में एक प्रधान महासचिव, एक संसदीय बोर्ड के अ?यक्ष, एक कोषा?यक्ष, नौ महासचिव और पांच सचिव शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने पार्टी की नई टीम में पुराने चेहरों पर ज्यादा भरोसा जताया है, लेकिन कई नए चेहरे भी टीम में शामिल किए हैं।

हाईकोर्ट ने कलेक्टर को सिम्स अस्पताल की अव्यवस्था को लेकर सख्त हिदायत दी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर कलेक्टर अवनीश शरण को सिम्स अस्पताल की अव्यवस्था मामले की सुनवाई के दौरान कड़े शब्दों में हिदायत दी है। कलेक्टर को कहा यह आने के लिए ड्रेस कोड पहनना भूल गए क्या, टाई तो लगा लेना चाहिए। कलेक्टर अवनीश शरण सामान्य ड्रेस पहनकर चीफ जस्टिस की कोर्ट में सुनवाई के लिए पहुंच गए थे। इस बात पर कोर्ट ने उन्हें खरी बात सुनाई। कोर्ट ने कहा कि सिम्स मेडिकल अस्पताल में सिर्फ निरीक्षण करने जाना नहीं बल्कि व्यवस्था में सुधार करना भी है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में शीतकालीन छुट्टी के बीच गुरुवार को चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच में सिम्स की जनहित याचिका पर सुनवाई की । सिम्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अव्यवस्था और दवाओं की कमी के साथ सुविधाएं नहीं होने को लेकर खबरों पर संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका के माध्यम से चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल के साथ मामले की सुनवाई की।

सिम्स अस्पताल में अव्यवस्थाओं पर लगी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कई दिशा निर्देश जारी किए थे। जिसके तहत ओएसडी के रूप में आईएएस अधिकारी की नियुक्ति की गई थी और सिम्स की व्यवस्था में सुधार लाने के कवायद लिए गए। व्यवस्था में सुधार के नाम पर जिला प्रशासन ने केवल

सिम्स अस्पताल के बाहरी आवरण और कुछ वार्डो की साफ-सफाई की थी, लेकिन इलाज में अव्यवस्था बरकरार रही, जिसे लेकर गुरुवार को ही सुनवाई में कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की और बिलासपुर कलेक्टर अवनीश शरण को कड़े शब्दों में टिप्पणी की है।

सिम्स मेडिकल कॉलेज के डीन केके सहारे से कोर्ट ने पूछा कि कब से पदस्थ है, तब डीन ने बताया कि वह 2021 से सिम्स के डीन के रूप में पदस्थ है। तब कोर्ट ने डीन से पूछा 2021 से अब तक क्या कर रहे हैं? कोर्ट ने डीन को जमकर फटकार लगाई। पूछा कि जब 2021 से तो अब तक इतने सालों से क्या कर रहे थे? कोर्ट ने कलेक्टर को कहा कि केवल निरीक्षण करना ही अपका काम नहीं है, बल्कि खामियों को दूर करने के लिए काम करना चाहिए था। हाईकोर्ट ने कहा कि जिला अस्पताल और सिम्स में दवाइयों की कमी है। सीजीएमएससी दवाएं नहीं दे रहा है क्या? राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर फंड दे रही है जिसके बाद भी ऐसी स्थिति क्यों कर दिए हो। दवाइयां सप्लाई नहीं करने पर कोर्ट ने सीजीएमएससी के मैनेजिंग डायरेक्टर को भी शपथ पत्र के साथ अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए है। अब मामले की अगली सुनवाई 17 जनवरी को की जाएगी।

कोर्ट की सुनवाई के बाद बिलासपुर कलेक्टर अवनीश शरण शाम 7 बजे सिम्स मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के लिए पहुंच गए। कलेक्टर के अचानक पहुंचने से सिम्स प्रबंधन में अफरा तफरी मच गई। कलेक्टर वार्डो का निरीक्षण कर रहे थे तभी मरीज को मिलने वाला खाना दिया जा रहा था, जिसे देखकर वह भड़क गए। कलेक्टर ने देखा कि मरीजों को दिए जाने वाला खाना घटिया क्वॉलिटी का था और ऐसी क्वॉलिटी का खाना देने की वजह से मरीज की तबीयत और बिगड़ने की बात कहते हुए कलेक्टर ने ठेकेदार उसके कर्मचारी और सिम्स के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। कलेक्टर ने अधिकारियों को व्यवस्था में सुधार करने की बात कहते हुए कड़े निर्देश दिए साथ ही खाना सप्लाई का ठेका लेने वाली फिलिप्स कंपनी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनकी धर्मपत्नी ने कुल देवता का किया दर्शन

मंदिर स्थल में पुजारी ने मुख्यमंत्री को विधि विधान से पूजा पाठ कराया

जशपुर। मुख्यमंत्री बनने के पश्चात पहली बार अपने गृह ग्राम बगिया आए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय ने शुक्रवार को बंदरचुवा के पास तुर्री गांव पहुंचकर कुल देवता का दर्शन किया। मुख्यमंत्री साय ने कुलदेवता को गुड़, नारियल, पान, सुपाड़ी अर्पित कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर स्थल में गांव के पुजारी ने मुख्यमंत्री को विधि विधान से पूजा पाठ कराया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पूर्वजों के आशीर्वाद से ही शुभ कार्य संपन्न होते हैं। आज तुर्री में अपने कुलदेवता का आशीर्वाद लेकर प्रदेश की खुशहाली और जनहित में निरंतर कार्य करूंगा। मुख्यमंत्री के पूर्वज स्व. सरदार भगत साय (सरदार बूढ़ा) की स्मृति में मंदिर का निर्माण कराया गया है। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में आसपास गांव के ग्रामीणजन मौजूद रहे।

तुर्री गांव के निवासी विकास कुमार साय ने बताया कि तुर्री में घनघोर जंगल और पहाड़ियों से घिरे इसी स्थल पर मुख्यमंत्री साय के पूर्वजों के दो भाईयों भगत साय और दवेल साय में से स्व. भगत साय पर बाघ ने हमला किया था, जिससे वहीं पर उन्होंने अपने प्राण त्याग दिए। जहां उन्होंने प्राण त्यागे थे वहां उनका वास मानकर आस्था और विश्वास से पूजा अर्चना की जाती है। मूल स्थान के बगल में बाघ में भगत साय की देव स्वरूप वास मानकर इस स्थान पर बाघ की मूर्ति स्थापित कर पूजा पाठ किया जाता है। दूसरे भाई दवेल साय के वंश वृद्धि के फलस्वरूप मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आते है।

साय परिवार के अलावा अन्य ग्रामीण भी तुर्री के इस स्थान को आस्था और अध्यात्म का विशेष स्थान मानते है। यह जगह चारों तरफ जंगलों से घिरा हुआ है। इस देव स्थल के विशेष महत्व के कारण यहां से गुजरने वाले लोग फूल, पत्ती आदि अर्पित करने पश्चात ही यहां से आगे बढ़ते हैं।

सुकमा में नक्सल कैंप ध्वस्त, इनामी नक्सली गिरफ्तार

■ कांकेर में जनमिलिशिया सदस्य हत्थे चढ़ा

सुकमा/कांकेर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने के बाद नक्सलियों की गतिविधियां व सुरक्षाबल के जवानों का नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन भी तेज हो गया है। लगातार अंदरूनी इलाकों में जवान नक्सलियों के प्रभाव इलाके में घुस रहे हैं और नक्सलियों के कैम्प व स्मारक को ध्वस्त कर रहे हैं। सुकमा में फोर्स को बड़ी सफलता मिली है।

डीआरजी के जवानों को सर्चिंग के लिए सुकमा जिले के तुमलपाड़ इलाके में रवाना किया गया था। सर्चिंग अभियान के दौरान जवान नक्सलियों के डेरे तक पहुंच गए। जवानों की आहट पर नक्सली कैम्प छोड़कर भाग खड़े हुए। जवानों ने नक्सली कैम्प पर धावा बोला। और उनके कैम्प को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। साथ ही जवानों ने नक्सलियों के कैम्प से दैनिक उपयोग की कई सामग्री व नक्सल सामग्री भी बरामद किया है। फिलहाल जवानों को सर्चिंग अभियान इलाके जारी है।

एक दिन पहले ही जवानों को नक्सलियों मोर्चे पर एक सफलता मिली थी। सुकमा जिले के अंदरूनी इलाके में सर्चिंग अभियान के दौरान 5 लाख के इनामी माओवादी सहित 2 नक्सलियों को गिरफ्तार किया था।

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि जिले

के विभिन्न इलाकों में लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में डीआरजी और जिला बल को संयुक्त कार्रवाई के लिए बंडेमपारा, सिगनपारा, बुरदापारा, सिरसेट्टी व आसपास के जंगलों रवाना किया गया था। अभियान के दौरान बुरदापारा के जंगल में 8-10 संदिग्ध व्यक्ति पुलिस पार्टी को अपनी ओर आता देख भागने का छिपने का प्रयास कर रहे थे। इसी बीच पुलिस पार्टी ने घेराबंदी करके एक व्यक्ति को धर दबोचा। जिनसे पूछताछ में अपना नाम वंजाम हिड़मा थाना पामेड़ जिला बीजापुर का निवासी बताया।

नक्सली के कब्जे से 1 टिफिन बम 5 किलो वजनी, 3 जिलेटिन रॉड, 5 डेटोनेटर, 10 फिट कोडेक्स वायर, 50 मीटर इलेक्ट्रिक वायर, मेडिसिन व अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया है। गिरफ्तार नक्सली पामेड़ एरिया कमेटी के अंतर्गत जनताना सरकार अध्यक्ष व एसीएम के पद पर पदस्थ था। गिरफ्तार नक्सली के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत धारा 147,148,120 बी , 4 ख विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया गया है। यह नक्सली विभिन्न नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है।

डीआरजी व जिला बल की टीम को जग्गावरम, कोलईगुड़ा, डब्बाकोंटा व आसपास के जंगलों में रवाना किया गया था। अभियान के दौरान जग्गावरम के जंगल में 1 संदिग्ध व्यक्ति को भागने के दौरान पकड़ा गया। जिसने पूछताछ में अपना नाम कवासी पांडु नक्सल संगठन ने डब्बाकोंटा पंचायत अंतर्गत कृषि शाखा अध्यक्ष के पद पर पदस्थ होना बताया। जिसका आपराधिक रिकॉर्ड चेक करने पर कोलईगुड़ा कैम्प निर्माण के दौरान पुलिस पार्टी पर हमला करना शामिल था। आरोपी के निशानदेही पर जग्गावरम के जंगल से 5 जिंदा कारतूस, डेटोनेटर, कोडेक्स वायर, जिलेटिन रॉड, टिफिन डब्बा बरामद किया गया। थाना भेज्जी में अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया।

सुकमा के साथ कांकेर में भी पुलिस को नक्सल मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। कांकेर पुलिस ने फिर एक बार जनमिलिशिया सदस्य को गिरफ्तार किया है। कांकेर पुलिस ने साल के आखिरी महीने दिसम्बर में 7 जनमिलिशिया सदस्य गिरफ्तार किए गए है। कांकेर पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने बताया कि थाना छोटेबेठिया क्षेत्र अंतर्गत जनमिलिशिया सदस्य शंकर उर्फ सनकेर नुरेटी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बेचाघाट से छोटेबेठिया सड़क में चेक पोस्ट ड्यूटी के दौरान जनमिलिशिया सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

इससे पहले कांकेर पुलिस ने 22 दिसम्बर को 2 जनमिलिशिया सदस्य गिरफ्तार किया गया था। जनमिलिशिया सदस्य बीएसएफ जवान की हत्या और ग्रामीण की हत्या में शामिल थे। इसी तरह पुलिस ने 16 दिसम्बर को 4 जनमिलिशिया सदस्य को गिरफ्तार किया था ये जनमिलिशिया सदस्य आईईडी ब्लास्ट की घटना में शामिल थे। इसके अलवा दिसम्बर महीने में ही पुलिस ने 1 लाख के इनामी नक्सली को भी गिरफ्तार किया है।

5 साल बर्बाद करने के बाद भी अधूरा पड़ा है एनएच-130 का काम

मुंगेली। मुंगेली-बिलासपुर नेशनल हाईवे (ह॥-130) का काम 5 साल से चल रहा है। सरकार बदल गई लेकिन इस रोड की हालत जस की तस है। आलम ये है कि कुछ जगहों पर काम भी शुरू नहीं हो सका। क्योंकि मुआवजा को लेकर कई प्रकरण हाईकोर्ट में लंबित है। और तो और निर्माणाधीन सड़क का काम पूरा भी नहीं हुआ है, इससे पहले रोड में दरार और परते उधड़ना भी शुरू हो गया है।

इससे स्थानीय लोग और बीजेपी-कांग्रेस के स्थानीय नेता लेटलतीफी के साथ गुणवत्ता को लेकर एक स्वर में निर्माण एजेंसी के अफसर और ठेकेदार पर सवाल उठाने लगे हैं। उनका आरोप है कि गुणवत्ताहीन काम होने की वजह से नवनिर्मित सड़क जवाब देने लगी है। जानकारी के मुताबिक मुंगेली से बिलासपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-130 (ह॥-130) पर सड़क निर्माण के लिए 260 करोड़ की लागत से 2018 में

सड़क बनाना स्वीकृत हुआ था। लैंडमार्क डेवलपर्स नाम की कंपनी के साथ निविदा के बाद सड़क निर्माण के लिए अनुबंध किया गया। समय पर काम पूरा नहीं करने और काम अधूरे छोड़ देने के बाद 175 करोड़ रुपये उक्त सड़क की निर्माण के लिए फिर से रिवाइज किया गया और फिर एक बार निविदा निकालकर दूसरे ठेकेदार कन्हैया अग्रवाल को सड़क निर्माण का ठेका दिया गया। कुल मिलाकर 435 करोड़ रुपये और 5 साल का समय बर्बाद करने के बाद भी आज तक सड़क को दर्जनों जगह अधूरा निर्माण कर छोड़ दिया गया है। हालांकि मामले में अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटले ने मामले में जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

एसडीएम ने महिला पटवारी को किया निलंबित

बिलासपुर। सक्षम अधिकारी के आदेश के बिना बटांकन दस्तावेज में प्रविष्टि व काट-छांट करने पर अनुविभागीय अधिकारी ने महिला पटवारी को निलंबित कर दिया है। बिलासपुर एसडीएम सूरज साहू ने हल्का नंबर-24 ग्राम सेमरताल की पटवारी गरिमा द्विवेदी (प्रिया द्विवेदी) के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की है। पटवारी के खिलाफ ग्राम रमतला के भूमि खसरा नंबर 174 के बटांकन आदेश पर बिना सक्षम अधिकारी के आदेश के प्रविष्टि दर्ज करने के साथ काट-छांट करने की शिकायत की गई थी। एसडीएम ने जांच के लिए कमेटी गठित की थी, जिसनें जांच में छग सिविल सेवा आचरण नियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाया, जिसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई। निलंबन अवधि में महिला पटवारी का मुख्यालय बिलासपुर तहसील होगा।

बिलासपुर में बनेगा दूसरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में प्रदेश का दूसरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनने वाला है। यह स्टेडियम बिलासपुर में बनेगा। इसके लिए स्टेट क्रिकेट संघ के प्रस्ताव को बीसीसीआई ने मंजूरी दे दी है। स्टेडियम के लिए जगह तलाशने के निर्देश क्रिकेट संघ को दिए गए हैं। खास बात यह है कि प्रदेश में बीसीसीआई का यह पहला स्टेडियम होगा। मैदान और उसके पवेलियन व अन्य सुविधाओं के लिए 15 से 20 एकड़ जमीन या उससे ज्यादा जमीन की जरूरत होगी। ताकि इसमें स्टेट लेबल, रणजी लेवल, टी-20 और टेस्ट मैच हो सकें। मैदान की बाउंड्री 80 से 85 मीटर तक होगी। मैच फॉर्मेट के साथ मैदान की बाउंड्री को छोटा-बड़ा किया जाएगा, जैसे कि एक इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में सुविधा रहती है। फिलहाल जिला प्रशासन 10 से 15 किलोमीटर के भीतर जमीन खोजने का काम तेजी से शुरू कर दिया है। जमीन मिलने के बाद स्टेडियम का निर्माण और सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

रामविचार नेताम ने वादे को पूरा करने लोगों दिया भरोसा

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने के बाद रामविचार नेताम गुरुवार को पहली बार अपने विधानसभा क्षेत्र रामानुजगंज पहुंचे। यहां पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ही आम लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने नेताम को लड्डुओं से तौला। इसके अलावा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। छत्तीसगढ़ के कद्दावर आदिवासी नेता रामविचार नेताम पहले की भाजपा सरकार में भी कई विभागों में मंत्री का दायित्व संभाल चुके हैं। इस साल हुए विधानसभा चुनाव में रामविचार नेताम ने कांग्रेस के प्रत्याशी अजय तिर्की को हराया और छठवीं बार विधायक चुने गए हैं। उनके कद को देखते हुए उन्हें विष्णुदेव साय की सरकार में मंत्री बनाया गया है। रामविचार नेताम ने मोदी की गारंटी के हर वादे को पूरा करने का भरोसा लोगों को दिया साथ ही उनकी दी हुई गारंटी भी जल्द लागू करने का वादा रामानुजगंज की जनता से किया। बता दें कि विधानसभा चुनाव से पहले रामविचार नेताम ने भाजपा के घोषणा पत्र से अलग अपना घोषणा पत्र लाया था।

कुसमुंडा कोयला खदान के मजदूर परेशान

कोरबा। कुसमुंडा खदान में हेम्स कॉरपोरेशन के अंतर्गत 70 मजदूर काम कर रहे हैं। जिनमें कई महिला मजदूर भी शामिल है। मजदूरों ने बीते दो महीने से वेतन नहीं देने का आरोप लगाया है। मजदूरों का कहना है कि बिना वेतन दिए उनसे काम लिया जा है। सैलरी नहीं मिलने से उनका घर चलाना मुश्किल हो गया है। मजदूरों ने वेतन के अलावा पीएफ की राशि में भी गड़बड़ी की बात कही है। इसकी शिकायत एसईसीएल प्रबंधन से करते हुए वेतन दिलवाने और पीएफ की राशि भी आवंटित करने की मांग की है। सूरज चुटेलकर ने बताया कि कंपनी हमसे काम तो ले रही है। लेकिन 2 महीने से हमें वेतन नहीं दे रही है। जिससे हमारा घर चलाना मुश्किल हो गया है। कई बार बातचीत करने के बाद हमें पीएफ की जानकारी भी नहीं दी जाती, अब हमें यह भी पता चला कि कंपनी पीएफ के नाम पर भी घोटाला कर रही है। हमे जो/ह नंबर दिया गया है। उसमे किसी भी प्रकार का राशि जमा नही हुआ है। हमने सिविल विभाग में इसकी शिकायत में की है।

चिरमिरी में मिला उत्तरी ध्रुव में मिलने वाला जानवर

बैकुंठपुर। कोरिया वनमंडल के चिरमिरी परिक्षेत्र के ग्राम बहालपुर के जंगल में बुधवार को भालू के दो शावक मिले। इसमें एक दुर्लभ सफेद भालू और दूसरा काला भालू का शावक हैं। बहुत छोटे होने के कारण ग्रामीण उन्हें जंगल से उठाकर अपने गांव ले गए। आमतौर पर सफेद भालू उत्तरी ध्रुव में पाए जाते हैं। लेकिन चिरमिरी में सफेद भालू मिलने से सभी हैरान है। बहालपुर जंगल की ओर गए ग्रामीणों की नजर जब अचानक भालू के दोनों शावकों पर पड़ी तो वे हैरान हो गए। उनकी हैरानी की वजह था भालू का सफेद शावक। सफेद भालू को देखकर वे उत्साहित हुए और भालू के दोनों बच्चों को उठाकर गांव ले आए। भालू के शावकों को देखने पूरा गांव इकट्ठा हो गया। फिर उन्होंने वन विभाग को इसकी सूचना दी। सफेद भालू का शावक मिलने की सूचना पर वन विभाग भी बिना देरी किए गांव पहुंचा। विभाग के कर्मचारियों के साथ अधिकारी भी सफेद भालू के बच्चे को देखने पहुंचे। ग्रामीणों ने शावकों को उनके सुपुर्द कर दिया।

भिलाई ननि ने राजीव युवा मितान क्लब के खर्चे पर लगाई रोक

■ खोली जा रही पुरानी योजनाओं की फाइल

भिलाई। नगर पालिका निगम ने फिजूल खर्ची पर रोक लगाने के साथ ही फाइलों की जांच शुरू कर दी है। ऐसा कोई विभाग नहीं बचा है, जहां से फाइलें नहीं मंगाई जा रही है। इस मामले में राज्य शासन ने निगम द्वारा किए गए खर्च की फाइल की जांच कर देय राशि रोकने के निर्देश दे दिये है। भिलाई निगम में इस तरह की कार्यशैली से अधिकारियों के बीच हड़कंप मचा है, यह भी चर्चा होने लगी है कि कुछ अधिकारी के ट्रांसफर भी अन्य निकायों में हो सकते हैं।

भवन अनुज्ञा विभाग के समस्त फाइलों की जानकारी मांगी जा रही है। कितने फाइलों का निराकरण अब तक हुआ है। कितने फाइल नियमितीकरण में लगाए गए

हैं। टाउन एंड कंट्री से कितनी फाइलें नियमित होकर आई है, कितने को रोका गया है। पूर्ण प्रमाण पत्र कितने दिए हैं। ऐसी सभी जानकारी मांगी जा रही है। इसी तरह संपदा विभाग में नाम परिवर्तन, लीज नवीनीकरण, नामांतरण, एनओसी की फाइलों की जानकारी ली जा रही है। उद्यान विभाग में वृक्षारोपण की जानकारी, गार्डन के रखरखाव संधारण मरम्मत में किए गए वर्ष भर के खर्च की जानकारी मांगी जा रही है। महापौर परिषद में विकास कार्यों की कितने फाइलें आई है, कितनो को स्वीकृति दी गई है कितने पर वसूली हुई है, इसका लेखाजोखा मांगा जा रहा है।संपत्ति कर की वसूली की भी जानकारी मांगी है। वित्त विभाग से किन-किन एजेंसी को भुगतान हुआ इसकी भी संपूर्ण जानकारी मांगी गई है। विकास कार्यों की जांच रिपोर्ट भी मांगी गई है। एलईडी लाइट, मिनी स्टेडियम, फूट टाइल्स, उद्यान, सड़क, नाली, तारामंडल इंदौर स्टेडियम कुछ संसाधनों की खरीदी जैसे फाइलों की जांच होनी है।

सरकार बदलने के बाद भिलाई निगम ने राजीव युवा मितान क्लब योजना के व्यय को बंद कर दिया है। खेल एवं युवा कल्याण के संचालक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने अब तक राजीव युवा मितान क्लब योजना अंतर्गत विभिन्न व्यय की जानकारी एवं व्यय की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र मांगा है। वर्ष 2021-22 में क्लब संचालित किया गया था। प्रति तिमाही प्रति क्लब को 25000 रुपए दिए जाने का प्रावधान है। निगम आयुक्त द्वारा राजीव युवा मितान क्लब के बैंक खाते में राशि भेजी जाती है।

राजीव युवा मितान क्लब योजना के क्रियान्वयन के लिए अब तक जिला स्तरीय समितियां को 13248.75 लाख रुपए बांटे गए हैं। दुर्ग जिले में वर्ष 2021-22 में प्रथम किस्त में लगभग 1.52 करोड़, अब तक जारी द्वितीय किस्त की कुल राशि 1 128 करोड़ है। इसी तरह वर्ष 2023 24 की द्वितीय किस्त की शेष राशि 2.37 करोड़ द्वितीय एवं तृतीय तिमाही की राशि 3 करोड़ रुपए है। इस तरह दुर्ग जिले में राशि 6.10 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

टैक्स वसूली में नाकाम नगर निगम ने निजी कंपनी को सौंपी जिम्मेदारी

राजनांदगांव। आय का स्त्रोत बढ़ाने में विफल राजनांदगांव नगर निगम ने टैक्स वसूली का जिम्मा निजी कंपनी को सौंप दिया है। निगम की इस कवायद को विपक्ष ने कमीशनखोरी का खेल बताया है।

वित्तीय संकट से जूझ रहे नगर निगम राजनांदगांव ने टैक्स वसूली का जिम्मा निजी हाथों को सौंप दिया है। नगर निगम अन्तर्गत आने वाले वार्डों में राजस्व वसूली का काम रांची की श्री पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनर्स कंपनी करेगी। इसके लिए कम्पनी ने अपने कर्मचारियों को फिल्ड पर उतार कर सर्वे का काम भी शुरु कर दिया है। कर्मचारी घर-घर दस्तक देकर जानकारी जुटाना शुरु कर दिया है।

नगर निगम कमिश्नर अभिषेक गुप्ता ने बताया कि शहर के मकान टैक्स वसूलने का जिम्मा रांची की श्री पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनर्स को सौंपा है। कंपनी 90 प्रतिशत टैक्स वसूलने पर उन्हें 6 प्रतिशत कमीशन दिया जाएगा। नगर निगम कमिश्नर अभिषेक गुप्ता का कहना है कि राजनांदगांव नगर निगम के कई घर ऐसे हैं, जिनका टैक्स वसूली नगर निगम नहीं कर पा रही है। उन्होंने बताया कि यदि कम्पनी 90 प्रतिशत टेक्स वसूली नहीं करती है, तो उसका कमीशन काटा जाएगा।

निगम की इस कवायद पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु का कहना है कि निगम में बड़ी संख्या में राजस्व अमला मौजूद है, लेकिन निगम इन पर भरोसा न जताते हुए रांची की कंपनी पर भरोसा जताया है। उन्होंने रांची की कंपनी द्वारा अशिक्षित और अनुभवहीन व्यक्तियों को काम पर लगाने सहित कमीशनखोरी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कंपनी ने ऐसे लोगों को काम पर लगा दिया है, जो बेरोजगार थे।

संक्षिप्त समाचार

श्री श्री 108 श्री गुरुदेव स्वामी धनपती पंडा की गुरु गद्दी का आशीर्वाद लेने भुइंयापानी पहुंचे मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय शुक्रवार को भुइंयापानी में गुरु माननीय श्री श्री 108 श्री गुरुदेव स्वामी धनपती पंडा जी के निवास स्थान पहुंचे। यहां उन्होंने गुरु गद्दी को प्रणाम कर प्रदेश वासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर उन्होंने गुरु के परिवार जनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। गुरु शिष्य परंपरा के सशक्त ध्वजवाहक मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय बाल्यकाल में 05 वर्ष की उम्र से गुरु का अनुसरण करते रहे हैं। प्रदेश के मुखिया की जिम्मेदारी मिलने पर वे गुरु की गद्दी का आशीष लेने विशेष रूप से भुइंयापानी पहुंचे। मालूम हो कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गांव में उनकी स्मृति में दुर्गा मंदिर का भी निर्माण करवाया है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के दौरे पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा

कबीरधाम। शुक्रवार को कबीरधाम जिले के बोडला ब्लॉक के सुदूर वनांचल क्षेत्र में पहली दौरे पर पहुंचे डिप्टी सीएम विजय शर्मा का ग्राम खारा और निवासपुर में स्वागत हुआ। वनांचल के युवाओं ने डिप्टी सीएम के काफिले के सामने मोटरसाइकिल रैली निकाली। रैली के साथ डिप्टी सीएम शर्मा ग्राम निवासपुर पहुंचे। इस दौरान मितानिनों ने पिछले चार माह का मानदेय नहीं मिलने की शिकायत की। डिप्टी सीएम ने कलेक्टर को मानदेय संबधित समस्या का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए। क्षेत्र में बिजली विस्तार मांग का निराकरण करने के लिए बिजली कंपनी को निवासपुर में शिविर लाने के निर्देश दिए। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने ग्रामीणों की मांग पर ग्राम निवासपुर में मंच निर्माण के लिए चार लाख रुपये की घोषणा की। किसानों की मांग पर निवासपुर में आने वाले साल में धान खरीदी केंद्र खोलने की घोषणा की। ग्रामीणों की मांग पर निवासपुर में हैंडपम्प खनन करने निर्देश दिए। सभा को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार मोदी की गारंटी को पूरा कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृत दी।

कुमार विश्वास फिर आएंगे 7 को सुनाएंगे कविताएं

रायपुर। जाने-माने कवि कुमार विश्वास एक बार फिर रायपुरवासियों को अपनी कविताएं सुनाने 7 जनवरी को आ रहे हैं। इस बार वे पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित कवि सम्मेलन में शामिल होंगे। इस कवि सम्मेलन में कुमार विश्वास के साथ सुरेंद्र दुबे, रमेश मुस्कान, मुमताज वसीम, कुशल कुशवाहा और अमित शर्मा अपनी कविताएं पढ़ेंगे।

राष्ट्रीय शालेय कुश्ती प्रतियोगिता में मनु यादव और अभिषेक ने जीते कांस्य पदक

रायपुर। राष्ट्रीय शालेय कुश्ती प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के पहलवान मनु यादव और अभिषेक निषाद ने अपने-अपने वजन ग्रुपमें कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्पर्धा में ग्रीकोरोमन 55 किग्रा भार वर्ग में प्रदेश के मनु यादव ने कांस्य पदक जीतकर पहला पदक दिलाया। फिर 60 किग्रा वर्ग में प्रदेश के अभिषेक ने भी कांस्य पदक जीता और छत्तीसगढ़ को दूसरा पदक दिलाया। पदक विजेता खिलाडियों व प्रशिक्षक का लोक शिक्षण संचालनालय के अधिकारियों ने बधाई दी है।

5वीं राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी प्रतियोगिता हरिओम शर्मा ने जीता रजत पदक

रायपुर। 5वीं राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी प्रतियोगिता में रायगढ़ के दिव्यांग खिलाड़ी हरिओम शर्मा ने पहली बार पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरान्वित किया है। पटियाला (पंजाब) में आयोजित की गई राष्ट्रीय स्पर्धा में छत्तीसढ़ के पांच तीरंदाजों ने हिस्सा लिया था जिसमें केवल हरिओम शर्मा रजत पदक हासिल करने में सफल रहे। हरिओम ने यह पदक ओलंपिक राउंड में हासिल किया। हरिओम ने अपनी सफलता के लिए प्रशिक्षक मनमोहन पटेल का आभार जताया। हरिओम को छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका और संरक्षक व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने अपनी शुभकामनाएं दी। यहां यह बताना लाजमी होगा कि राष्ट्रीय स्पर्धा में छत्तीसगढ़ के तीरंदाज हरिओम बिना किसी सरकारी मदद से अपनी मेहनत के दम पर पदक जीतने में सफल हुए है। छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका का इस संबंध में कहना है कि खेल विभाग की ओर से पैरा तीरंदाजों को कोई भी मदद नहीं मिलती है। उन्हें विश्वास है कि आने वाले समय में जल्द ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, खेल मंत्री, संघ के संरक्षक बृजमोहन से मिल कर पैरा तिरंदाज के लिए खेल युवा कल्याण विभाग द्वारा सुविधा दिलाने की मांग करेंगे।

जब बिरहोर बच्ची ने दिल जीत लिया मुख्यमंत्री का

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज रायगढ़ जिले के अंतिम छोर पर लैलूंगा के भुइंयापानी में बिरहोर परिवारों से मुलाकात के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने सभी का हाल चाल जाना। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात करने बिरहोर परिवार के बच्चे भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान बच्चों को उपहार दिया और उनसे भी बातें की। इस दौरान नन्ही अंजू बिरहोर से जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पूछा कि बड़ी होकर क्या बनोगी, अंजू ने मुस्कान के साथ कहा कि मैं स्कूल की मैडम बनूंगी, मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा शाबाश!। उन्होंने बच्ची के पिता से कहा कि बिटिया को खूब पढ़ाए।

22 को रामलला मंदिर में विराजेंगे भगवान राम

कोटा में होगा 11 लाख दीप प्रज्वलित, 23 से 27 तक पंडित धीरेंद्र शास्त्री करेंगे गुढियारी के कोटा में हनुमंत पर कथा

रायपुर। 22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे भव्य मंदिर में भगवान राम विराजमान होंगे और इस पूरा भारत जगमगाएगा। छत्तीसगढ़ में भी इसकी तैयारी की जा रही है। एक्स आर्मी फाउडेशन एवं स्व. श्री पुरुषोतम अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से 22 जनवरी की शाम को 5 बजे विवेकानंद विद्यापीठ के सामने गुढियारी रोड कोटा में 11 लाख दीप प्रज्वलित करने के साथ ही लेजर शो का आयोजन किया गया है। जहां विश्व विख्यात संत शिरोमणि पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर) 23 से 27 जनवरी दोपहर को 3 बजे से संध्या 7 बजे तक रोजाना हनुमंत पर श्रद्धालुओं को कथा सुनाएंगे, इस दौरान किसी भी दिन दिव्य दरबार लग सकता है।

उक्त जानकारी श्री बागेश्वर धाम कथा आयोजन समिति के बसंत अग्रवाल व श्री दिनेश मिश्रा ने संयुक्त रुप से बताया कि राजधानी रायपुर में श्री बागेश्वर धाम सरकार दूसरी बार आ रहे है जिसकी तैयारियों में एक्स आर्मी फाउडेशन एवं स्व. श्री पुरुषोतम अग्रवाल फाउंडेशन के लोग जुट गए है। 22 जनवरी को जहां भगवान श्रीराम अयोध्या के रामलला मंदिर में विराजन होंगे। इसकी तैयारी में समिति के सदस्य अभी से जुट गए है क्योंकि भगवान श्रीराम के स्वागत में पहली बार 11 लाख दीपों का प्रज्वलन किया जाएगा साथ ही लेजर शो व आतिशबाजी का भव्य आयोजन होना है। विवेकानंद विद्यापीठ के सामने गुढियारी रोड कोटा में जहां विश्व विख्यात संत शिरोमणि पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर) 23 से 27 जनवरी तक हनुमंत पर कथा सुनाएंगे।

उन्होंने बताया कि श्री बागेश्वर धाम सरकार की कथा में आम नागरिकों को पिछली बार कुछ असुविधाओं का करना

पड़ा था इसलिए समिति ने विवेकानंद विद्यापीठ के सामने गुढियारी रोड कोटा में स्थित जगह को चुना है जहां काफी बड़ी संख्या में लोग पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा का श्रवण कर सकेंगे। गाडियों की पार्किंग के लिए साइंस कॉलेज मैदान और एनआईटी के पीछे खाली जगहों को चिन्हांकित किया गया है। 23 से 27 जनवरी में से किसी भी दिन वे दिव्य दरबार लगा सकते हैं जिसमें वे आम नागरिकों की समस्याओं का चिट्ठी के माध्यम से समाधान करेंगे। लेकिन इसकी तारीख अभी घोषित नहीं की जा रही है क्योंकि इस दिव्य दरबार में देश व विदेश से नागरिक शामिल होते हैं। कथा व दिव्य दरबार का प्रसारण संस्कार टीवी चैनल के माध्यम से लाइव किया जाएगा। इसके साथ ही एक्स आर्मी फाउडेशन के द्वारा हाल ही में शहीद हुए 22 जवानों के परिजनों का सम्मान किया जाएगा साथ ही स्व. श्री पुरुषोतम अग्रवाल फाउंडेशन के द्वारा कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया जाएगा, इसके लिए पंजीयन अभी से शुरु हो गया है।

राम मंदिर के हवाले से भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

रायपुर। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चल रही तैयारियों के बीच भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की जनता अयोध्या जाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस असमंजस की स्थिति में दिखाई दे रही है। भाजपा जानना चाहती है कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस का क्या स्टैंड है। भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री राम मंदिर जाते हैं, तो कांग्रेस को तकलीफ होती है। राम मंदिर का निर्माण हुआ है तो कांग्रेस ने उससे दूरी बना ली। पहले भी मंदिर निर्माण के समय उन्होंने विरोध किया था। यही नहीं इंडिया एलायंस भी राम मंदिर नहीं जाने की बात कह रही है। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की पहली बैठक पर संजय श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल का अंतिम ये उद्देश्य नहीं होता कि सत्ता प्राप्त करे। बीजेपी के लिए सत्ता साध्य नहीं है। बीजेपी चाहती हैं कि एक-एक व्यक्ति भाजपा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले। विभिन्न समाज के लोग हर एक वर्ग जुड़े, इसका प्रयास भाजपा करती है। पीएम मोदी, गृहमंत्री शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा इस बात को जानते हैं कि भाजपा की सरकार से जनता को क्या अपेक्षाएं हैं। ये बातें लेकर उनके बीच में जाएंगे। पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं को लेकर भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस योजनाओं के माध्यम से बंदरबांट कर रही थी। जिन योजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ, उसकी जांच होगी, वे योजनाएं बंद होगी। कांग्रेस ने कार्यकर्ताओ को सरकारी पैसा देने का काम किया। बेरोजगारी भत्ते का लाभ युवाओं को नहीं मिला। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को इसका लाभ मिला। सरकार बेरोजगारी भत्ते की भी समीक्षा करेगी।

पीसीसी चीफ बैज का पलटवार

राम मंदिर को लेकर भाजपा ने कांग्रेस से स्पष्टीकरण मांगा है। इस मामले में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, राम मंदिर दर्शन करने के लिए या अन्य मंदिरों के दर्शन करने के लिए क्या भाजपा से प्रमाण लेना पड़ेगा? भगवान सबके हैं, जिनकी इच्छा हो, जिनके पास समय होगा वे जरूर जाएंगे। भाजपा इस तरह का बयान जारी कर राजनीतिक लाभ लेती है। पुरानी योजनाओं के जरिए पैसों का बंदरबांट हुआ, बीजेपी के इस बयान पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, कोई बंदरबांट नहीं हुआ है। पूर्ववर्ती सरकार की योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंची है। राजीव गांधी युवा मितान क्लब के जरिए हर एक योजनाओं का लाभ जनता को मिला। कांग्रेस की योजनाओं को भाजपा बंद कर रही। भाजपा बदले की भावना से काम कर रही।

नए साल में कानून व्यवस्था से किया खिलवाड़, तो होगी कड़ी कार्रवाई

रायपुर। राजधानी रायपुर में नए साल में कानून व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। नए साल में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एएसपी सिटी लखन पटले ने सभी नगर पुलिस अधीक्षकगण और थाना प्रभारियों की बैठक ली है।

एएसपी सिटी लखन पटले और एएसपी पश्चिम जय प्रकाश बढ़ई ने सिविल लाइन स्थित सभाकक्ष में बैठक ली है। इस बैठक में सभी थाना प्रभारियों को नए साल में शांति व्यवस्था और कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अपराधियों और अपराधिक तत्वों पर नकेल कसने के निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि विजिबल पुलिसिंग के तहत भीड़-भाड़ और सूनसान वाले सभी जगहों पर शाम पांच बजे से रात के 11 बजे तक पैदल और बाइक से पेट्रोलिंग करेंगे। इस दौरान संदिग्धों की चेकिंग करने और फिक्स पॉइंट ड्यूटी में अधिकारी कर्मचारी की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिया गया है। नशा से संबंधित शिकायतों पर तुरंत

कार्रवाई करने के निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही नशा, जुआ, सट्टा पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही साल के समाप्ति को ध्यान में रखते हुए थाना प्रभारियों को अधिक से अधिक लंबित अपराधों का निकाल करते हुए प्रकरणों का चालान माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने के भी निर्देशित किया गया। इसके साथ ही रात्रि गश्त को और अधिक मुस्तैदी पूर्वक करने और अपने अधिनस्थों को कराने के निर्देश दिए गए हैं। व्हीआईपी ड्यूटी के दौरान बेहतर कार्य कर शांति पूर्ण तरीके से व्हीआईपी ड्यूटी को संपादित करने के निर्देश भी दिया गया है।

राष्ट्रवादी जनविचार संघ ने अकबर पर लगाया आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप

रायपुर। कवर्धा में दो साल पहले हुए झंडा कांड की गूंज अब तक थमी नहीं है। कवर्धा राष्ट्रवादी जनविचार संघ ने पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर के संरक्षण की वजह से कांड में शामिल मुस्लिमों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया, जिसके जवाब में कवर्धा की जनता ने चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाया है।

कवर्धा झंडा कांड में जेल गए कवर्धा राष्ट्रवादी जनविचार संघ से जुड़े कैलाश चन्द्रवंशी शनिवार को मीडिया से रू-ब-रू हुए। उन्होंने कवर्धा में बाहर से आए घुसपैठिए पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कवर्धा में मुस्लिम समुदाय के बाहर से आए व्यक्तियों का नाम वोटर लिस्ट में

जोड़ा गया है। कवर्धा बुगरी रोड के अटल आवास में दर्जनों की संख्या में बाहर से आए लोगों ने कब्जा किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

चंद्रवंशी ने आरोप लगाया कि बाहर से आए दर्जनों लोगों का 2-3 साल में ही राशन कार्ड दे दिया गया है। जनपद पंचायत, श्मशान घाट की जमीन, कई शासकीय जमीनों पर पिछले 3 सालों में कब्जा हुआ। आदिवासी महिला के साथ मारपीट लिया, लेकिन थाने में कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके साथ बेरला के चिल्फी में गोठान के जमीन पर मस्जिद बनाने का आरोप लगाया।

कैलाश चंद्रवंशी ने कहा कि पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने मार्च 2022 में 286 लोगों को स्वेच्छा अनुदान दिया, जिसमें रायपुर स्थित मोदहापारा के मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल थे। उन्होंने अपने कृत्य के लिए पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर को जनता से माफी मांगने को कहा।

एक ही परिवार के तीन लोगों ने की सामूहिक आत्महत्या, कांग्रेस ने बनाई जांच कमेटी

रायपुर। मठपुरैना स्थित बीएसयूपी कॉलोनी में एक ही परिवार के तीन लोगों ने आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर टिकरापारा थाना पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अंबेडकर अस्पताल भेज दिया। वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में 6 सस्यीय जांच कमेटी की है जो घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर अपना प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतकों में लखन लाल सेन पिता भोज राम सेन उम्र 48 वर्ष, रानू सेन् पति लखन लाल सेन उम्र 42 वर्ष और पायल सेन पिता लखन लाल सेन् उम्र 14 वर्ष शामिल हैं। ये सभी बीएसयूपी के ब्लॉक नंबर 2 कमरा नंबर 05 में रहते थे। पुलिस के मुताबिक तीनो ने एक ही पंखे के हुक से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक लखनलाल सेन एक कारोबारी के यहां ड्राइवर था। पिछले तीन चार दिनों से पड़ोसियों ने पूरे परिवार को नहीं देखा था। इसी बीच सुबह से घर से तेज बदबू आने लगी। पहले तो लोगों को किसी अन्य चीज की बदबू लगी, लेकिन जैसे ही शाम हुई, बदबू और तेज हो गयी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जब दरवाजा तोड़ा, तो घर के अंदर लोगों की लाश मिली। शव तीन से चार दिन पुराना होना बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस की टीम जांच कर रही है। अभी आत्मतहत्या की वजह सामने नहीं आयी है। पुलिस के मुताबिक मृतक की तीन बेटियां थी, जिसमें से दो की शादी कर चुका था, जबकि तीसरी बेटी उसके साथ ही रहती थी। घटना की जानकारी मिलते ही छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस सामुहिक आत्महत्या की घटना को गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में 6 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। जिसमें शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गिरीश दुबे, नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे, नंदकुमार सैन, श्रीमती पार्वती साहू और डॉ. करुणा कुरें शामिल है। बैज ने जांच समिति के सदस्यों से आग्रह किया है कि वे अविलंब क्षेत्र का दौरा कर पीड़ित परिवार के परिजनों सहित स्थानीय रहवासियों से भेंट/चर्चा कर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर अपना प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करें।

सामूहिक आत्महत्या को लेकर भाजपा पर कांग्रेस का तंज

रायपुर। राजधानी में गुरुवार को हुए सामूहिक आत्महत्या को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर तंज कसा है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, भाजपा के सरकार बनने के बाद प्रदेश में आत्महत्या बढ़ी है। इसका कारण है मोदी सरकार की महंगाई और बेरोजगारी। दीपक बैज ने कहा, भाजपा की सरकार से हमारे प्रदेश की जनता हतोत्साहित है। हमारी सरकार में एक बटन दबाने के बाद हितग्राहियों को पैसे जाते थे। भाजपा की सरकार बनने के बाद लाभ मिलना बंद हो गया है। यही लोगों के आत्महत्या का कारण है। सरकार की योजनाओं का लाभ जनता तक नही पहुंच पा रही है। इसी निराशा के कारण लगातार आत्महत्या बढ़ रही है।

अंजय शुक्ला छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष बने

रायपुर। छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन (सीसीटीए) की आवश्यक बैठक राजधानी रायपुर में आयोजित की गई। बैठक में दुर्ग, भिलाई, रायपुर, बस्तर, कोरापुट, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़ सहित पूरे छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से अंजय शुक्ला को छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन का नया अध्यक्ष चुना गया।

श्री शुक्ला ने अध्यक्ष के रूप में अपनी स्वीकृति प्रदान करते हुए कहा कि वे इसके पहले भी इस संस्था के अध्यक्ष रह चुके है। संस्था के सदस्यों ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें पुनः अध्यक्ष बनाया है तो मै उन्हें यह विश्वास दिलाता हूँ कि पिछले कार्यकाल के दौरान जिस प्रकार से संगठन एवं परिवहनकर्ताओ के हित मे जो कार्य किया गया था। उसी प्रकार इस बार भी पूरी ईमानदारी के साथ कार्य किया जावेगा एवं परिवहनकर्ताओं की जो भी समस्यायें होगी उनको हर स्तर पर समाधान हेतु पूरी तत्परता दिखाउंगा। सीसीटीए व उनके सभी पदाधिकारी एवं सदस्य सभी को मैं अपना परिवार मानता हूँ और मेरे परिवार के ऊपर आने वाली सभी मुश्किलों का सामना करने तथा हर प्रकार से उन्हें मदद किये जाने के लिए मैं आश्वस्त करता हूं। अंजय शुक्ला अध्यक्ष बनने के बाद सी सीटीए के सदस्यों

के साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह,उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल एवं ओपी चौधरी से सौजन्य मुलाकात भी की। जल्द ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भी मिलने जायेंगे। बैठक में मुख्य रूप से सुधीर अग्रवाल, अशोक जैन, सुखदेव सिंह सिद्धू, पूर्व अध्यक्ष अचलजीत सिंह भाटिया, दिवाकर अवस्थी, इन्द्रजीत सिंह, संदीप सिंह, मलकित सिंह, गणेश प्रसाद जायसवाल एवं सनोज सिंह सहित काफी संख्या में सदस्यगण व परिवहनकर्ता मौजूद थे। बलौदाबाजार ट्रक मालिक संघ के अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने नवनियुक्त अध्यक्ष शुक्ला को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की, साथ ही बधाई देने वालों में प्रतीक जैन, सनोज सिंह, लल्लू सिह, संतोष ठाकुर, प्रशांत पांडेय, लखेश साहू, धीरज साहू, जितेंद्र सिंह, कमलेश साहू का नाम भी शामिल है।

छत्तीसगढ़ में सीबीआई जांच दोबारा शुरू करने की तैयारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर सीबीआई की एंट्री होगी। प्रदेश में भाजपा की वापसी होते ही विष्णुदेव साय सरकार राज्य में मामलों की जांच के लिए सीबीआई के लिए सामान्य सहमति बहाल करेगी। यानी अब किसी भी मामले में सीबीआई जांच की हकदार होगी। प्रदेश के कई ऐसे मामले हैं जिसकी जांच सीबीआई से कराने की मांग उठती रही है, पीएससी भर्ती घोटाला भी उसमें से एक है।

भूपेश सरकार ने बिना अनुमति सीबीआई जांच पर लगाई थी रोक

साल 2019 में छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को सीबीआई को प्रदेश में कोई भी मामला दर्ज नहीं करने की मांग करते हुए पत्र लिखा था। इस पत्र में ये भी लिखा था कि सीबीआई को छत्तीसगढ़ में किसी भी तरह की जांच करने के लिए राज्य सरकार से अनुमति लेनी होगी। कांग्रेस सरकार के इस फैसले के बाद विपक्ष में रही भाजपा ने इसकी आलोचना भी की थी। तब भूपेश बघेल ने

कहा था कि सीबीआई को सामान्य सहमति वापस लेने का प्रस्ताव रमन सरकार में ही आया था, उस दौरान केंद्र में यूपीए सरकार सत्ता में थी।

भाजपा के सह प्रभारी नितिन नबीन ने बताया कि संविधान में सीबीआई जांच का प्रावधान है लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने अपनी मनमानी करते हुए सीबीआई को ऐसा करने से रोक दिया था। छत्तीसगढ़ में अब भाजपा की वापसी हो गई है इसके साथ ही सीबीआई भी प्रदेश में वापसी करेगी। नितिन नबीन ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पदाधिकारियों की बैठक ली जिसमे आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई।

छत्तीसगढ़ में हो रही बुलडोजर की कार्रवाई पर नितिन नबीन ने कहा कि जो भी कानून तोड़ेगा उस पर कार्रवाई की जाएगी चाहे वह कोई भी हो। इस दौरान पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर के डिप्टी सीएम के पद को असंवैधानिक बताने के सवाल पर नितिन नबीन ने कहा कि संविधान ने उनका जो हिसाब किया है पहले उसका ध्यान रखें। जनता ही संविधान बनती है। आगे नितिन नवीन ने कहा कि पूर्व मंत्री अकबर कवर्धा से लेकर रायपुर तक आततायी मचाए हुए थे। अब सब की जांच होगी, अब उसकी चिंता करें।पहले सीबीआई को आने नहीं देते थे अब सीबीआई भी आएगी और जांच भी होगी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, महासमुंद (छ.ग.)
फोन नंबर 07723-223731, ई-मेल: eephen-mah-cg@nic.in

क्र.7414 व.ले.लि./जि.ज.स्व.मि. /का.अ./ लो.स्वा. यां. खण्ड/2023/ महासमुन्द दिनाक 26/12/23

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (online) की निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम- महासमुन्द जिले के विभिन्न ग्रागों में जल जीवन मिशन अन्तर्गत सिंगल विलेज नल जल प्रदाय योजनाओं के समस्त कार्य।

निविदा क्रमांक व दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3	4
143/26-12-2023	150339	ग्राम मुडियाडीह, सिंगल विलेज नल जल प्रदाय योजना वि.ख. महासमुन्द (प्रथम आमंत्रण)	41.11

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

3. निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 16.01.2024 सायं 5:30 बजे तक तथा निविदा खुलने का दिनांक 23.01.2024 ।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
महासमुंद (छ.ग.)

जी-06749/5

नये संसद भवन पर बेमतलब सवाल

डॉ अश्विनी महाजन

तेरह दिसंबर को 22 वर्ष पूर्व हुए संसद पर आतंकी हमले की बरसी के दिन कुछ लोगों के उपद्रव के बाद विपक्षी दल फिर से नये संसद भवन पर सवाल उठा रहे हैं। कुछ माह पूर्व जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नये भवन का उद्घाटन किया गया था, तब भी विपक्ष ने इस भवन के साथ-साथ पूरी सेंट्रल विस्टा पुनर्निमाण परियोजना की यह कहकर आलोचना की थी कि भारत जैसे देश में क्या 13,450 करोड़ से लेकर 20,000 करोड़ रुपये तक खर्च करना औचित्यपूर्ण है। उनका कहना था कि क्या इस धन का उपयोग शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे जरूरी मदों पर खर्च नहीं किया जाना चाहिए। आलोचकों का यह भी कहना रहा है कि इस परियोजना में कई इमारतों को गिराना पड़ेगा और कई पेड़ों को काटना पड़ेगा। वे यह भी कहते हैं कि सरकार ने इस परियोजना को जल्दबाजी में लागू किया है। अब विपक्ष का यह तर्क भी आलोचना में शामिल हो गया है कि नयी संसद सुरक्षा की दृष्टि से भी सही नहीं है। यहां सवाल यह उठता है कि सेंट्रल विस्टा योजना की क्या जरूरत थी। अंग्रेजी शासन के दौरान दिल्ली में ब्रिटिश आर्किटेक्ट एडविन लटियंस और हर्बट बेकर के डिजायन पर आधारित नयी दिल्ली की प्रशासनिक इमारतों का निर्माण 20वीं सदी में किया गया था, जिसे सेंट्रल विस्टा के नाम से भी जाना जाता है। इसमें राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, नॉर्थ और साउथ ब्लॉक जैसी अहम इमारतें शामिल हैं। ब्रिटिश सरकार का उद्देश्य नयी राजधानी का निर्माण था, जो उनकी साम्राज्यवादी शक्ति का एक प्रतीक बने। सेंट्रल विस्टा को एक भव्य नव-शास्त्रीय शैली में बनाया गया था, जिसमें बड़े-बड़े बाग, फव्वारों के साथ-साथ कई मूर्तियां स्थान-स्थान पर स्थापित की गयी थीं। इसकी एक प्रमुख विशेषता राजपथ (अब कर्त्तव्य पथ) रही, जो राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक जाता है। यह मार्ग गणतंत्र दिवस परेड समेत भारत के कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजनों के लिए उपयोग किया जाता रहा है। लंबे समय से सेंट्रल विस्टा एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल रहा है। यह भारत में ब्रिटिश शासन या यूं कहें कि साम्राज्यवाद के प्रतीक चिह्नों में एक है, लेकिन शायद इसकी भव्यता और वास्तुकला के मद्देनजर स्वतंत्र भारत में किसी भी सरकार ने किसी फेर-बदल के बारे में विचार नहीं किया। मोदी सरकार आने के बाद विचार शुरू हुआ कि राजधानी में समय के साथ संसदीय कार्यकलापों, मंत्रालयों और शासकीय विभागों की जरूरतों में बड़ा विस्तार हुआ है। ऐसे में सेंट्रल विस्टा में बड़े विस्तार की जरूरत थी। इस परियोजना के अंतर्गत नया संसद भवन, साझा केंद्रीय सचिवालय, उपराष्ट्रपति एंक्लेव का निर्माण, राष्ट्रीय संग्रहालय का जीर्णोद्धार, विज्ञान भवन का नवीनीकरण और विस्तार आदि शामिल हैं। केंद्र सरकार ने यह भी निर्णय लिया कि किराये के भवनों में चलने वाले कार्यालयों को सेंट्रल विस्टा में बन रहे भवनों में स्थानांतरित कर दिया जायेगा। उल्लेखनीय है कि किराये के मद में वर्तमान में केंद्र सरकार को सालाना लगभग एक हजार करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते हैं। ये कार्यालय शहर के अलग-अलग हिस्सों में फैले हुए हैं। एक तरफ सरकार का बहुमूल्य राजस्व इन किराये के भवनों पर खर्च होता रहा है, तो दूसरी तरफ सरकारी कर्मचारियों को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय जाने में समय की बर्बादी के साथ कठिनाई भी होती है। वर्तमान में लोकसभा में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तीन सीटों को मिला कर 545 सीटें और राज्य सभा में 245 सीटें हैं। वर्ष 2026 में निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन किया जाना है। ऐसे में संसद सदस्यों की संख्या बढ़ने के कारण ज्यादा स्थान की आवश्यकता होगी। इसके मद्देनजर नयी संसद में अधिक स्थान की व्यवस्था की गयी है। नये संसद भवन में लोकसभा कक्ष में 888 सीटों और राज्य सभा कक्ष में 384 सीटों का प्रावधान किया गया है। माना जा रहा है कि नया संसद भवन, जो भारतीय लोकतंत्र के एक प्रतीक के रूप में एक महत्वपूर्ण इमारत है, कम से कम एक से दो सदियों के लिए भारतीय संसद की आवश्यकताओं के अनुरूप बनायी गयी है।

कांग्रेस की राजनीति का टूल हैं पहलवान

डॉ. आशीष वशिष्ठ

किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद से देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पहलवानों के जरिए अपनी जाट राजनीति को आगे बढ़ा रही है। कांग्रेस की इस राजनीति में अतिमहत्वकांक्षी पहलवान शामिल हैं। साक्षी मलिक की कुश्ती से संन्यास, बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट की सम्मान वापसी इसी ओर इशारा करती है कि, पहलवानों को न्याय व्यवस्था पर भरोसा नहीं है। नाराज पहलवानों से मिलने प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी का पहुंचना पूरी तरह साफ करता है कि, पहलवान कांग्रेस के की जाट राजनीति के टूल हैं। पहलवान आंदोलन में हरियाणा के युवा जाट नेता और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा की सहभागिता और सक्रियता सार्वजनिक है। जंतर मंतर में पहलवानों के धरने के दौरान प्रियंका पहलवानों से मिलने गई थी। ऊपरी तौर पर लड़ाई भले ही पहलवानों और कुश्ती संघ के बीच दिखाई देती हो, लेकिन इसके जड़ में जाट वोटों की राजनीति है।

माना जाता है कि देश में जाट बिरादरी की आबादी कुल जनसंख्या का 6 फीसदी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में जाटों की आबादी अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा है। दिल्ली और इससे सटे राज्यों की करीब 40 लोकसभा सीटों पर जाट वोटरों का सीधा प्रभाव है। हरियाणा में जाटों की आबादी 25 फीसदी है। पंजाब में भी जाटों की जनसंख्या 25 से 30 प्रतिशत आंकी जाती है। राजस्थान में 12 और दिल्ली में 12 फीसदी आबादी इसी बिरादरी की है। 22 करोड़ की जनसंख्या वाले यूपी में जाटों की आबादी महज दो फीसदी मानी जाती है, मगर पश्चिम उत्तर प्रदेश की 18 लोकसभा सीटों पर जाति का दबदबा है।

हरियाणा में पिछले दस साल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। किसान आंदोलन के बाद से कांग्रेस को हरियाणा में राजनीतिक संभावनाएं अपने पक्ष में दिखाई देती हैं। उसे लगता है कि किसान और पहलवानों के कंधों पर सवार होकर भाजपा को हरियाणा की सत्ता से बाहर किया जा सकता है। वहीं लोकसभा चुनाव में हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब के जाट वोटरों के प्रभाव वाली सीटों में भी उसे इसका फायदा मिलेगा।

जाट बिरादरी के बड़े गढ़ हरियाणा में कांग्रेस पिछले दस साल से सत्ता से दूर है। हरियाणा से गांधी परिवार के करीबी कई बड़े जाट नेता हैं। जिनमें भूपेंद्र सिंह हुड्डा, रणदीप सिंह सुरजेवाल, दीपेंद्र हुड्डा प्रमुख हैं। लेकिन इन नेताओं के सारे यत्नों और प्रपंचों के बावजूद हरियाणा में उनकी दाल गल नहीं रही। 2019 के लोकसभा चुनाव में हरियाणा की दस सीटों पर मोदी की सुनामी के आगे किसी राजनीतिक दल की नहीं चली। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस भी धराशायी हो गई। भाजपा ने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ते हुए यहां सभी दस सीटों पर विजय पताका फहराई थी।

कांग्रेस के बड़े जाट नेता भूपेंद्र हुड्डा सोनीपत और उनके पुत्र दीपेंद्र हुड्डा रोहतक से हार गए। भूपेंद्र और दीपेंद्र के अलावा कांग्रेस के दिग्गज नेता कुमारी शैलजा, निर्मल सिंह, कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर, कैप्टन अजय यादव और अवतार भड़ाना को भी हार का मुंह देखना पड़ा। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस और इंडियन नेशनल लोकदल यानी इनेलो को हराकर हरियाणा में सात सीटें जीती थी। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा रोहतक से जीते थे। इनेलो ने हिसार व सिरसा की दो सीटें जीती थी।

साल 2014 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कुल 90 सीटों में से 47 पर विजय हासिल कर कांग्रेस को सत्ता से बेदखल किया था। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 40 सीटें जीती और दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी यानी जजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। पिछले दस साल से बीजेपी की हरियाणा में सरकार है। जाट बहुल जनसंख्या वाले राज्य हरियाणा में बीजेपी की मजबूती और पकड़ कांग्रेस को अखर रही है। प्रदेश में बीजेपी सरकार बनने के बाद से कांग्रेस ने किसी न किसी तरह मनोहर लाल की सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की। जाट आरक्षण, किसान आंदोलन और पहलवान आंदोलन में कांग्रेस की भूमिका सार्वजनिक है।

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में किसान आंदोलन की समाप्ति के बाद साल 2022 में यूपी विधानसभा चुनाव में योगी सरकार ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। तमाम विरोधों और आंशकाओं के बाद भी 37 साल बाद उत्तर प्रदेश में ऐसा हुआ कि किसी दल ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाई हो। चुनाव से पहले प्रदेश के पश्चिमी हिस्से यानी जाट बेल्ट में भाजपा को नुकसान की आशंका राजनीति के जानकार बता रहे थे।

कांग्रेस ने यह चुनाव यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में लड़ा। कांग्रेस की सारी रणनीति और पैंतरेबाजी की बावजूद पार्टी ने विधानसभा चुनाव में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया। उसे दो सीटों पर जीत मिली। जाट बेल्ट में तो उसका खाता ही नहीं खुला। वर्ष 2017 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके लड़ा था, और उसे 7 सीटों पर जीत मिली थी। तब पश्चिम उत्तर प्रदेश से उसके दो विधायक बेहट ओर सहारनपुर सीट जीते थे। वर्तमान में यूपी में कांग्रेस दो विधायक हैं। जो प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र से हैं। सोनिया गांधी यूपी से एकमात्र कांग्रेस सांसद हैं। 100 सदस्यों की विधान परिषद में उसकी सदस्य संख्या शून्य है।

साल 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को सत्ता से बुरी तरह बेदखल किया। 117 सीटों में से 92 सीटें आप ने जीती तो कांग्रेस के हिस्से में मात्र 18 सीटें आई। भाजपा और शिरोमणि दल का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। पंजाब में भी जाट वोटर हार जीत में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। राजस्थान में भी जाट वोटों की बड़ी अहमयित है। हालिया विधानसभा चुनाव में राजस्थान में भाजपा ने कांग्रेस को बड़ी शिकस्त देकर सत्ता से बेदखल किया है। राजस्थान में बिश्नोई बहुल 27 सीटों में से 24 पर भाजपा की जीत हुई है। हरियाणा से सटे राजस्थान की अधिकतर सीटों पर भाजपा उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इनके जाट बहुल होने के बावजूद जननायक जनता पार्टी और कांग्रेस का प्रदर्शन फीका रहा।

हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस की सरकारों ने लंबे समय तक राज किया है। आंकड़ों के आलोक में बात की जाए तो जाट वोटरों के प्रभाव वाले राज्यों में कांग्रेस की ताकत लगातार कमजोर हुई है। कांग्रेस के अलावा जाट वोटों की राजनीति करने वाले इंडियन नेशनल लोकदल, जननायक जनता पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल और अन्य दल भी बीजेपी के सामने कमजोर दिखाई देते हैं। दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस को जाट वोटरों के हिसाब से उम्मीद की रोशनी हरियाणा में सबसे ज्यादा दिखाई देती है।

अगले साल आम चुनाव के बाद साल के आखिरी महीनों में हरियाणा विधानसभा के चुनाव होंगे। ऐसे में उसका फोकस लोकसभा चुनाव में जाट वोटरों का समर्थन पाने और हरियाणा की सत्ता की हासिल करने पर है। अपने मंसूबे पूरे करने के लिए किसान आंदोलन के बाद अब कांग्रेस पहलवानों के जरिए जाट वोटरों को अपने पाले में लाने और बीजेपी की जाट बिरादरी में नेगेटिव छवि बनाने की कोशिशों में जुटी है। आंदोलन वाले पहलवानों को पार्टी की ओर लोकसभा और विधानसभा चुनाव में टिकट देने की बात कही गई है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अपमान से जाट समाज के अंदर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस को लेकर रोष का भाव है। ऐसे में बाज़ी हाथ से खिसकते देख विपक्ष खासकर कांग्रेस ने, जाट वोट बैंक के लिये साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया आदि पहलवानों को आगे कर दिया। सभी घड़ियाली आंसू बहा रहे है। पहलवानों को न्याय मिलना चाहिए लेकिन जब, मामला ही कोर्ट में है तो थोड़ा इंतजार किया जाना चाहिये, दोषी को सजा कोर्ट देगा, प्रधानमंत्री मोदी या बीजेपी नहीं। पहलवान देश की न्यायपालिका पर ही विश्वास नही करते। पहलवानों को अगर राजनीति ही करनी है या राजनीति का मुखौटा ही बनना है तो फिर राजनीति ही करो, खेल को बीच में क्यों ला रहे हो। पहलवानों को समझना चाहिए इस सारी राजनीति में सबसे बड़ा नुकसान कुश्ती के खेल का हो रहा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

नृसिंहषट्चक्रोपनिषद् (भाग-3)

गतांक से आगे...

जो मनुष्य इन नारसिंह चक्रों को अपने समस्त अङ्गों में धारण करता है, उसे अनुष्टुप् की सिद्धि प्राप्त हो जाती है। उस पर भगवान् नृसिंह प्रसन्न होते हैं। उसे कैवल्य की प्राप्ति हो जाती है। उसके समस्त लोक सिद्ध हो जाते हैं। वह समस्त लोकों को प्राप्त कर लेता है। उसे सभी लोग (समस्त परिजन) सिद्ध हो जाते हैं अर्थात् उसके अनुयायी वशानुवर्ती हो जाते हैं ये ही छः नारसिंह चक्रों के अङ्गों में न्यास के स्थान हैं। इनका न्यास अत्यधिक शुद्ध है।

इनके न्यास द्वारा मनुष्य नृसिंह को आनन्द प्रदान करने वाला हो जाता है। वह कर्मण्य (श्रेष्ठ कर्म) का ज्ञाता हो जाता है, वह ब्रह्मज्ञाता हो जाता है। इस न्यास के बिना नृसिंह प्रसन्न नहीं होते और न ही मनुष्य कर्मण्य हो सकता है। अतः यही अत्यन्त पवित्र है, इसका न्यास ही अत्यन्त शुद्ध पवित्र है। [यहाँ न्यास के प्रकरण में चतुर्थ न्यास में सभी अंगों तथा छठे न्यास में सभी स्थानों का उल्लेख है; किन्तु पाँचवें न्यास में सभी शब्द के साथ किसी स्थान का उल्लेख क्यों नहीं हुआ, यह विचारणीय है।]

जो मनुष्य इस नारसिंह चक्र उपनिषद् का अध्ययन करता है, वह सम्पूर्ण वेदों का भी अध्ययन करने वाला हो जाता है। वह समस्त यज्ञों का कर्ता समझा जाता है अर्थात् वह सभी यज्ञ कर लेने वाला माना जाता है। उसने समस्त तीर्थों में स्नान भी कर लिया है, ऐसा जानना चाहिए। उसे सभी मन्त्रों की सिद्धियाँ भी मिल जाती हैं।

वह पूर्णतया शुद्ध हो जाता है। वह सबकी रक्षा करने में समर्थ होता है। वह भूत, पिशाच, शाकिनी, प्रेत एवं वंताक आदि भय प्रदान करने वाली योनियों का नाश करने वाला भी होता है अर्थात् उसके पास ये सभी अनिष्टकारक तत्त्व फटक नहीं सकते। वह निर्भय हो जाता है। इस नारसिंह चक्र का उपदेश श्रद्धाहीन के समक्ष किसी भी स्थिति में नहीं करना चाहिए।

क्रमशः ...

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रमों की नींव रखी थी विक्रम साराभाई ने

योगेन्द्र योगी

विक्रम साराभाई ने भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान को जन्म दिया और उसे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जवाहर लाल नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल में उन्होंने देश में अंतरिक्ष अनुसंधान कार्यक्रमों की नींव डाली। उन्होंने राकेट, उपग्रह निर्माण और उपग्रहों के उपयोग संबंधी देश के भावी कार्यक्रम को दिशा दी। भारत का चंद्रमा पर पहला अभियान चंद्रयान उसी आधारभूत योजनाओं की उपज है। रूस और अमेरिका जैसे देश विश्वयुद्ध के दौरान सामरिक तकनीक के कारण राकेट और उपग्रह निर्माण की दिशा में अग्रणी थे।

भारत को आजादी के बाद अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में शुरुआत करनी थी। साराभाई ने न सिर्फ राकेट और उपग्रह निर्माण की बुनियाद रखी बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में उपग्रह सेवाओं के उपयोग की दशा तथा दिशा तय की। 12 अगस्त 1919 में गुजरात के अहमदाबाद में एक धनी परिवार में जन्मे साराभाई सपने देखते थे और उसे क्रियान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत पर विश्वास करते थे। वह एक महान दृष्टा थे। वह महान वैज्ञानिक मेरी क्यूरी और पियरे क्यूरी से बहुत प्रेरित थे। गुजरात कालेज से इंटरमीडिएट साइंस परीक्षा पास करने के बाद वह 1937 में ब्रिटेन पढ़ने चले गये।

दूसरा विश्वयुद्ध छिड़ने के बाद वह भारत आ गए तथा उन्होंने बंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान में डॉ. सीवी रमन की देखरेख में कास्मिक किरणों पर अनुसंधान कार्य शुरू किया। उनका पहला शोध पत्र कास्मिक किरणों के समय वितरण से संबंधित था जो उन्होंने भारतीय विज्ञान अकादमी के कार्यक्रम में पेश किया। विश्वयुद्ध समाप्त होने के बाद साराभाई ब्रिटेन लौटे और भौतिकी में अपना अनुसंधान पूरा करने के बाद पीएचडी की डिग्री हासिल की। भारत में टेलीविजन को विकासात्मक संचार का साधन बनाने की परिकल्पना साराभाई ने की थी। दूरदर्शन के शुरुआती परीक्षण और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए ब्लूप्रिंट साराभाई ने ही बनाया था। 1975.76 में नासा के सहयोग से सैटेलाइट इंस्ट्रक्शनल टेलीविजन एक्सपेरिमेंट से इसे संचालित किया गया। भारत के छह राज्यों और 2500 से अधिक गांवों में टीवी प्रसारण किया गया।

साराभाई भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान आयोग (इसरो) के प्रथम अध्यक्ष थे। साराभाई ने जिस पहली संस्था की बुनियाद रखी वह अहमदाबाद की टेक्सटाइल अनुसंधान केंद्र थी। इसके अलावा उन्होंने अहमदाबाद के भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, भारतीय प्रबंधन संस्थान और कम्युनिटी साइंस केंद्र की स्थापना की। साराभाई विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में बहुत विश्वास रखते थे। इसके लिए उन्होंने अहमदाबाद में कम्युनिटी साइंस सेंटर की स्थापना की। 30 दिसंबर 1971 को केरल के कोवलम में साराभाई का निधन हो गया।

अफगान नीति : लोकतंत्र को महत्व देता है भारत

मरिआना बाबर

भारत की अफगानिस्तान नीति को मैं बहुत ध्यान से देखती हूं, क्योंकि ये दोनों ही देश हमारे पड़ोसी हैं, और इन दोनों के आपसी संबंधों का असर पाकिस्तान पर भी कमोबेश पड़ता है। मेरे विचार से भारत की काबुल नीति बेहद चतुर और जमीनी है। अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों के साथ भारत बेहद सौहार्दपूर्ण संबंध रखता है, जैसे कि उसके पूर्व अफगान राष्ट्रपति हामिद करजई से थे, जो भारत और पाकिस्तान, दोनों जगह रह चुके थे। ऐसे ही वाशिंगटन से आकर अफगान राष्ट्रपति का ओहदा संभालने वाले अशरफ गनी के साथ भी भारत के बेहद अच्छे रिश्ते थे। गनी ने तो भारत और अफगानिस्तान के बीच सीधे व्यापारिक संपर्क के लिए पाकिस्तान पर जमीनी मार्ग खोलने का दबाव भी बनाया था।

लेकिन जब भी तालिबान ने काबुल में सरकार बनाई, ऐसा दो बार हो चुका है, भारत कूटनीतिक रूप से पीछे हट गया। ऐसे में, स्थिति पर बारीक नजर तो उसने रखी, लेकिन कूटनीतिक संबंध स्थापित करने की उसने जरा भी इच्छा नहीं जताई। मुझे याद है, वर्ष 2015 में जब अशरफ गनी सत्ता में थे, तब भारत ने अफगानिस्तान के संसद भवन के निर्माण में योगदान कर काबुल को लोकतंत्र से संबंधित एक प्रतीकात्मक उपहार दिया था। उस संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां थे। तब मैंने वरिष्ठ भारतीय कूटनीतिज्ञ जेपी सिंह को बधाई दी थी, जो तब इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग में पदस्थापित थे। जेपी सिंह वही व्यक्ति हैं, जिन पर भारतीय कमांडर कुलभूषण जाधव की मां और बीवी के बेहद मुश्किल भरे पाकिस्तान दौरे में देखभाल की जिम्मेदारी थी।

जाहिर है, भारत द्वारा अफगानिस्तान में संसद भवन के निर्माण का दायित्व संभालना दोतरफा रिश्तों में एक असाधारण कदम था, खासकर तब, जब युद्धजर्जर अफगानिस्तान को संसदीय लोकतंत्र का अनुभव बहुत कम है। लोकतंत्र के उस शानदार उपहार को, जिसमें मुगल व आधुनिक स्थापत्य के तत्व हैं तथा जिसकी पहचान एशिया के सबसे लंबे गुंबद के रूप में है, आज उसके हाल पर छोड़ दिया गया है, क्योंकि अफगानिस्तान की सत्ता पर आज जिनका शासन है, वे चुनावी लोकतंत्र में यकीन ही नहीं करते।

संसद से याद आया कि हाल ही में भारतीय संसद में सुरक्षा चूक की एक घटना हुई। इससे पहले वर्ष 2001 में भी पांच सशस्त्र आतंकवादी भारतीय संसद के दरवाजे तक पहुंच गए थे। लेकिन सशस्त्र बलों ने बहादुरी का परिचय देते हुए आतंकियों को मार गिराया था। उसमें दिल्ली पुलिस के छह जवान, संसदीय सुरक्षा से जुड़े दो लोग और एक माली शहीद हुए थे। भारतीय संसद पर आतंकी हमले की वह घटना बेहद निंदनीय थी। उस हमले के बाद मैंने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायुक्त कैप्टन गोपालस्वामी पार्थसारथी से मुलाकात की थी। वह क्षोभ और गुस्से से भरे हुए थे और कह रहे थे कि लोगों को यह समझना चाहिए कि हमारी संसद पर हुआ हमला हमारी मातृभूमि पर हमले की तरह है। संसद पर हमले के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक रिश्ता बुरी तरह प्रभावित हुआ, और दोनों ही देशों के उच्चायुक्तों को वापस बुला लिया गया था।

पिछले कुछ दशकों में एक पत्रकार के तौर पर इस्लामाबाद में मैंने कई भारतीय उच्चायुक्तों से मुलाकात और बातचीत की। भारत ने हमेशा ही अपने काबिल राजनयिकों को उच्चायुक्त के तौर पर पाकिस्तान भेजा, जिनमें से कई विदेश सचिव भी हुए। पाकिस्तान में काम करने वाले अपने भारतीय पत्रकार मित्रों से मैं गाहे-बगाहे मजाक भी कर लेती थी कि इस्लामाबाद में पदस्थापित कौन भारतीय उच्चायुक्त विदेश सचिव बनेंगे, और किनके न बनने के आसार हैं। आश्चर्यजनक रूप से मेरे अनुमान ज्यादतर सही साबित हुए। कैप्टन गोपालस्वामी पार्थसारथी के बारे में पूछे जाने पर मैंने कहा था कि उनके विदेश सचिव बनने की संभावना नहीं है। उसकी वजह भी थी। वर्ष 2001 में भारत-पाकिस्तान के राजनयिक रिश्ते खराब होने से पहले इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग में आमंत्रित किए गए पाकिस्तानी पत्रकारों के साथ उनका संवाद अपेक्षित नहीं था।

यहीं पर मुझे एक दूसरे भारतीय उच्चायुक्त टीसीए राघवन की याद आती है। उनके समय में ही मुंबई में भीषण आतंकवादी हमला हुआ था। वह इतनी बर्बर, जघन्य और निंदनीय घटना थी कि जब मुंबई हमले के मुख्य दोषी अजमल कसाब को पकड़ा गया, तब पाकिस्तान में न तो उसके मां-बाप ने या दूसरे किसी ने उसे रिहा करने की वकालत की। जब कसाब को उसके जुर्म के लिए फांसी दी गई, तब पाकिस्तान में लोगों ने राहत की सांस ली। मुंबई में हुआ आतंकवादी हमला इसलिए भी बहुत भीषण था, क्योंकि उसमें सैकड़ों निर्दोष भारतीय और कुछ विदेशी नागरिक भी मारे गए थे। लेकिन टीसीए राघवन की तारीफ करनी होगी कि इतने जघन्य हमले पर स्तब्ध रह जाने के बावजूद इस्लामाबाद में उच्चायुक्त की जिम्मेदारी का पालन उन्होंने गरिमा के साथ किया। ऐसे अवसरों पर राजनयिकों की जिम्मेदारी कठिन हो जाती है। और ऐसे ही अवसरों पर उनकी काबिलियत की परीक्षा भी होती है। हम पत्रकारों ने मुंबई हमले की कड़ी आलोचना की थी। मुझे याद है कि भारतीय उच्चायोग द्वारा पत्रकारों के सम्मान में आयोजित एक डिनर पार्टी में टीसीए राघवन ने कहा था, %इस आतंकी हमले को आसानी से नहीं भुलाया जा सकता। उसमें लंबा समय लगेगा।% वह बिल्कुल सही थे।

टीसीए राघवन के साथ हम पत्रकारों के अनेक सुखद और दिलचस्प अनुभव भी थे। जब मौजूदा भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काबुल से सीधे इस्लामाबाद आ रहे थे, तब राघवन समेत पूरे उच्चायोग को इस बारे में मालूम नहीं था। नरेंद्र मोदी दरअसल तत्कालीन पाक प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को मरियम नवाज की बेटी की शादी की बधाई देने के लिए आ रहे थे। चूंकि वह रविवार का दिन था, और पहले से कुछ पता नहीं था, लिहाजा भारतीय प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए हवाई अड्डे पर पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती बहुत प्रयासों के बाद की जा सकी। अचानक पता चलने पर उच्चायुक्त राघवन ने अपनी कार में पेट्रोल भरवाया और पूरी रफ्तार से कार लाहौर ले जाने का निर्देश दिया। चूंकि वह समय पर लाहौर हवाई अड्डे पर पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत नहीं कर सकते थे, इसलिए वह जट्टी उमरा स्थित नवाज शरीफ के घर की तरफ जा रहे थे। भारतीय संसद की सुरक्षा में हुई चूक के ताजा मामले के संदर्भ में इससे मिलती-जुलती घटनाओं की याद आना स्वाभाविक ही है।

आज का इतिहास

1938 वीके जोरिकिन ने इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन सिस्टम का पेटेंट कराया।
1947 माइकल, रोमानिया का राजा, सामंतवादी कम्युनिस्ट सरकार द्वारा त्यागने के लिए मजबूर किया गया था।
1965 21 साल के लिए फिलीपींस पर शासन करने वाले फर्डिनेंड मार्कोस ने राष्ट्रपति के रूप में अपना पहला कार्यकाल शुरू किया।
1979 पश्चिमी अफ्रीकी देश टोगो ने संविधान अंगीकार किया।
1993 वेटिकन ने इजरायल को मान्यता दी।
1993 इजरायल और वेटिकन ने राजनयिक संबंध स्थापित किए।
1996 ग्वाटेमाला में गत 36 वर्षों से चला आ रहा गृहयुद्ध समाप्त हो गया।
2000 मेट्रो मनीला के आसपास कुछ घंटों के अंतराल में मेट्रो मनीला में बम विस्फोट हुआ, जिसमें 22 लोग मारे गए और 100 अन्य घायल हो गए।
2005 ट्रॉपिकल स्टॉर्म ज़ेटा को एक उष्णकटिबंधीय अवसाद घोषित किया गया था, जिसने 2005 के अटलांटिसुरिकेन सीज़न के रिकॉर्ड-ब्रेकिंग थर्टीथ ट्रॉपिकल चक्रवात को दर्ज किया, जो रिकॉर्ड किए गए इतिहास में सबसे अधिक सक्रिय है।
2006 मैड्रिड बरजै अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बमबारी की गयी।
2006 एमवी सेनापति नुसंतारा, एक इंडोनेशियाई नौका, एक तूफान के दौरान जावा में डूब गया, जिसमें कम से कम 400 लोग मारे गए।
2006 इराक के पूर्व राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को इराकी स्पेशलट्रिब्यूनल द्वारा मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी पाए जाने के बाद निष्पादित किया गया था।
2006 बास्क राष्ट्रवादी समूह ईटीए ने स्पेन के मैड्रिड-बाराजस हवाई अड्डे पर एक वैन बम विस्फोट किया, जिसमें नौ महीने का संघर्ष विराम समाप्त हो गया।
2010 थाईलैंड में, 79 समर्थक सरकारी पीली शर्ट प्रदर्शनकारियों को 2008 में एक राज्य द्वारा संचालित टेलीविजन स्टेशन पर तूफान के लिए जेल में डाल दिया गया।
2011 न्यू साउथ वेल्स की नाव लोकी को होबार्ट याट रेस 2011 के सिडनी का विजेता घोषित किया गया है।
2012 पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान में आत्मघाती हमले में 19 लोगों की मौत हुई।

विपक्षी गठबंधन के लिए गंभीर चुनौती काल

राजेश बादल

आगामी लोकसभा के चुनाव सिर पर हैं। सत्तारूढ़ भाजपा ने केंद्र और राज्यों में अपने संगठन को मोर्चे पर लगा दिया है। सालभर चुनावी मोड में रहने वाली यह बड़ी राष्ट्रीय पार्टी तीन प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में मिली जीत से उत्साहित है और सरकारों में अधिकतर नए चेहरों को मिले अवसर के कारण उत्साह से लबरेज है। संसार में शायद यह अकेली पार्टी है, जो आम दिनों में भी चुनावी तैयारियां करती रहती है। दूसरी ओर प्रमुख प्रतिपक्षी दलों ने भी सक्रियता बढ़ा दी है। उसके इंडिया गठबंधन में शामिल सभी पार्टियों के लिए एकमात्र समस्या है कि अगर वे वाकई भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करते हैं तो सरकार से असहमत वोटों का बिखरना कैसे रोका जाए? लगभग पैंतालीस साल पहले कांग्रेस के प्रतिद्वंद्वी दलों ने एकजुट होकर उसे पराजित करने का सपना देखा था और उसमें उन्हें कामयाबी भी मिली थी। यह अलग बात है कि वह गठबंधन या मोर्चा बहुत टिकाऊ साबित नहीं हुआ। शायद इसके पीछे उस विपक्षी गठबंधन से वैचारिक धुरी का अनुपस्थित होना था। उस काल का प्रतिपक्ष कांग्रेस के नहीं, बल्कि इंदिरा गांधी के खिलाफ था।

लेकिन जनता पार्टी अपनी वजहों से ही बिखर गई। कांग्रेस अंदरूनी विभाजन के बावजूद तीन साल बाद ही इंदिरा गांधी के नेतृत्व में फिर दस साल के लिए सत्ता में आ गई थी। लेकिन इस बार स्थितियां बदली हुई हैं। करीब दो दर्जन सियासी पार्टियों के गठबंधन इंडिया में हालिया पांच विधानसभा चुनावों के परिणामों से बेचैनी है। यह गठबंधन 1977 की याद दिला रहा है। उस समय भी जनता पार्टी में शामिल तमाम घटकों के भीतर ऐसे नेता थे, जो प्रधानमंत्री पद के लायक थे। जैसे चंद्रशेखर, अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई, जगजीवन राम, हेमवती नंदन बहुगुणा, मधु दंडवते, जॉर्ज फर्नांडीज और चौधरी चरण सिंह। लेकिन उस सत्ता परिवर्तन के सूत्रधार शिखर पुरुष लोकनायक जयप्रकाश नारायण थे। उन्होंने कई ताजे और योग्य चेहरों को न चुनते हुए मोरारजी देसाई का चुनाव किया। मोरारजी अपनी संगठन कांग्रेस के साथ जनता पार्टी में आए थे, जो घटक दलों में बहुत बड़ी पार्टी नहीं थी। पर, इस बार हालात बदले हुए हैं। प्रतिपक्ष के पास लोकनायक

जयप्रकाश नारायण जैसा कोई सर्वमान्य नेता नहीं है, जिसकी बात आंख मूंदकर इंडिया के सारे घटक दल स्वीकार कर लें।

अलबत्ता प्रधानमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार, शरद पवार, मल्लिकार्जुन खड़गे और ममता बनर्जी से लेकर अरविंद केजरीवाल तक के नाम सियासी हलकों में गूंज रहे हैं। मोरारजी देसाई के नाम पर उस दौर में किसी भी दावेदार ने खुला विरोध नहीं किया था। मगर, इस बार के चुनाव में ऐसा ही होगा, नहीं कहा जा सकता। यह अलग बात है कि उस समय प्रधानमंत्री पद के लिए सारे दावेदार योग्यता और अनुभव के मद्देनजर राष्ट्रीय कद के थे। इस बार ऐसा नहीं है। सभी दावेदार अपने को सर्वश्रेष्ठ मान रहे हैं। वैसे तो संवैधानिक लोकतंत्र का तकाजा यही कहता है कि चुनाव के बाद जिस दावेदार या दल को सबसे अधिक सांसदों का समर्थन हो, उसे ही इस शिखर पद के लिए चुना जाना चाहिए। इस नाते सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ही दिखाई देती है। करीब चौदह-पंद्रह करोड़ मतों के ढेर पर बैठी कांग्रेस देश में भारतीय जनता पार्टी के बाद दूसरे स्थान पर है। गठबंधन में शामिल अन्य दल उससे पीछे रहेंगे। फिर भी नेता पद का अंतिम चयन तो सांसदों की राय से नहीं, बल्कि पार्टियों के आलाकमान के फरमान से ही होगा। पक्ष में भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री पद के लिए चेहरे पर कोई शंका नहीं है।

नरेंद्र मोदी का नाम ही इकलौता नाम है। लेकिन, विपक्ष के लिए चुनाव से पहले सर्वसम्मत चेहरे को खोजना यकीनन टेढ़ी खीर है। इस चेहरे की खोज लोकतांत्रिक ढंग से की जानी चाहिए, किंतु यह तो तब हो, जब इंडिया में शामिल सभी दलों के अंदर लोकतंत्र हो। एक व्यक्ति के आदेश पर चलने वाले दलों की भारत के मौजूदा प्रजातंत्र को आवश्यकता नहीं है। इंडिया के गठन की भावना भले ही मजबूत प्रतिपक्ष देने या फिर अपनी सरकार बनाने की रही हो, पर उसके लिए अपने अंतर्विरोधों से उबरना अत्यंत आवश्यक है। कांग्रेस जिन प्रादेशिक पार्टियों को साथ लेकर चल रही है, उनके अपने-अपने राज्यों में राजनीतिक हित अलग-अलग हैं। वे हित कांग्रेस के हितों से टकराते हैं। मसलन आम आदमी पार्टी इंडिया में तो शामिल है, लेकिन पंजाब और दिल्ली में लोकसभा चुनाव के दरम्यान क्या वह कांग्रेस को कम से कम आधी सीटें देने का वादा कर सकती है? शायद नहीं। इसी तरह तृणमूल कांग्रेस भी इंडिया में है और वाम दल भी हैं। क्या ममता बनर्जी कांग्रेस को उसकी चाही गई सीटें दे सकती हैं।

जिस सीपीएम को बंगाल से ममता बनर्जी ने खदेड़ने के लिए इतने वर्ष खपाए, क्या वह कांग्रेस के सहयोगी बने वाम दलों को समर्थन दे सकेंगी? कमोबेश ऐसा ही उदाहरण समाजवादी पार्टी का है। कांग्रेस उत्तरप्रदेश में अपनी वापसी के लिए एड़ीचोटी का जोर लगा रही है और समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव इस महाप्रदेश में कांग्रेस की चाही गई सीटों पर उसे चुनाव लड़ने देंगे? इसी तरह महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अपनी आंतरिक टूट-फूट के बाद कांग्रेस से पहले जितनी सीटें समझौते में मांग सकेंगी? और क्या कांग्रेस उनके विभाजन के बाद पहले जितनी सीटों पर समझौता करेगी? बिहार में भी कुछ ऐसा ही हाल है। शायद नहीं। ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका समाधान आसान नहीं है। जब तक इनका हल नहीं निकलेगा, तब तक न्यूनतम साझा कार्यक्रम तैयार करना भी बेमानी ही है। वैसे तो न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाना ही सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए थी। यह नहीं हो सका। प्रधानमंत्री पद के लिए चेहरे पर तो बाद में भी फैसला हो सकता है।

भारत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियां देकर जा रहा है 2023, दुनिया में बजा डंका

सुरेंद्र कुमार

दुनिया के कई हिस्सों में व्याप्त अशांति के बावजूद भारत ने वर्ष 2023 में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। यह न केवल दुनिया में सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया, बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती हुई ब्रिटेन को पछाड़ते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई। अनुमान है कि यदि पहले नहीं, तो 2030 तक यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। भारत ने 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जिसके तहत 60 विभिन्न जगहों पर 250 से ज्यादा बैठकें हुईं, अफ्रीकी संघ को पूर्ण सदस्यता मिली और पहले ही दिन दुनिया भर के नेताओं ने दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति व्यक्त की। जी-20 की अध्यक्षता समाप्त होने से पहले पहली बार भारत ने एक आभासी शिखर सम्मेलन की भी मेजबानी की। प्रधानमंत्री मोदी ने क्वाड, जी-7, आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भागीदारी की और आभासी रूप से शंघाई सहयोग संगठन की एक एवं वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ के दो शिखर सम्मेलनों की मेजबानी की। उन्होंने अमेरिका की सफल राजकीय यात्रा की और अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को दूसरी बार संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। भारत संतुष्ट हो सकता है कि उसकी ऊर्जा प्रणाली में नवीकरणीय स्रोतों की हिस्सेदारी 43 फीसदी (172 गीगावॉट) से अधिक हो गई है और वर्ष 2030 तक कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता 45 फीसदी कम हो जाएगी, जैसा कि ग्लासगो जलवायु शिखर सम्मेलन में वादा किया गया था। मालदीव में नई सरकार का नेतृत्व मोहम्मद मुइज्जू कर रहे हैं, जो चीन समर्थक हैं। उन्होंने आधिकारिक रूप से भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने और अपना हेलिकॉप्टर वापस लेने के लिए कहा है। भारत को इस छोटे, मगर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पड़ोसी से सावधानीपूर्वक निपटना होगा। चीन के साथ हमारे कामकाजी रिश्ते बने हुए हैं-हम ब्रिक्स, एससीओ एवं जी-20 शिखर सम्मेलनों में भाग ले रहे हैं। चीन के हांगझोउ में हुए एशियाई खेल में भारत ने 100 से ज्यादा पदक जीते। चीन और भारत के बीच कमांडर स्तर की 20 दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर से चीनी सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। अपने चीनी समकक्ष के साथ बात करते हुए हमारे विदेश मंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक सीमा विवाद का पूरी तरह से समाधान नहीं होता, तब तक रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते। बांग्लादेश, नेपाल और भूटान में चीन की पैठ पर सख्त नजर रखने की जरूरत है। विगत नवंबर में प्रधानमंत्री मोदी एवं शेख हसीना ने आभासी रूप से सीमा पार अखौरा-अगरतला रेलवे लाइन का उद्घाटन किया, जो पूर्वोत्तर भारत को बांग्लादेश से जोड़ता है। इससे अगरतला और कोलकाता के बीच की यात्रा का समय भी कम होगा। जी-20 शिखर सम्मेलन से अलग भारत-बांग्लादेश ने तीन सहमति पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान के साथ संबंध अभी अनिश्चित बने हुए हैं, लेकिन अफगानिस्तान को भारत की मानवीय सहायता जारी है। एक राष्ट्र के रूप में हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मणिपुर में जो हुआ, वह फिर कभी न हो। भारत के ओलंपिक विजेताओं को अपनी आवाज सुनाने के लिए हफ्तों तक धरने पर नहीं बैठना पड़ता, उनकी चिंताओं का समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने देश को गौरवान्वित किया है, वे सम्मान के पात्र हैं। पन्नून के कारण भारत और अमेरिका के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी पटरी से उतरने की संभावना नहीं है। कनाडा खालिस्तानी कट्टरपंथियों का स्वर्ग बन गया है। अमेरिका और कनाडा, दोनों को खालिस्तानी कट्टरपंथियों पर लगाम लगानी चाहिए, जो भारतीय राजनयिकों को धमकी दे रहे हैं। भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जब चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा।

अंतरिक्ष में नए मुकाम हासिल करने का साल रहा 2023

अभिषेक कुमार सिंह

वर्ष 2023 खास तौर से इसकी कसौटी बन गया है कि कैसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बेहद सीमित संसाधनों में एक के बाद एक कई मुकाम हासिल किए और साबित किया कि खुद को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कैसे आगे रखा जा सकता है। वैसे तो वर्ष 2023 में कई मोर्चों को इसरो ने फतह किया है, लेकिन इनमें जिस उपलब्धि को शीर्ष पर रखा जा सकता है- वह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग कराना है। इस साल 23 अगस्त 2023 को जब तीन लाख 84 हजार किमी दूर स्थित पृथ्वी के इकलौते प्राकृतिक उपग्रह चंद्रमा के दुरुह माने जा रहे दक्षिणी ध्रुव के इलाके में चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक उतरा तो यह कारनामा करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया। यह कामयाबी इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा सकती है क्योंकि न तो अमेरिका जैसी महाशक्ति ऐसा कर पाई है और न ही उसका चिर प्रतिद्वंद्वी रूस वर्ष 2023 में ही आनन-फानन में किए गए प्रयास में सफल हो पाया है। इसरो की दूसरी बड़ी सफलता देश की पहली अंतरिक्ष-आधारित सौर वेधशाला आदित्य-एल1 का सफल प्रक्षेपण है जो अगले वर्ष की शुरुआत में (6 जनवरी, 2024 को) अपनी वांछित जगह एल1 प्वाइंट (लैंग्रेज प्वाइंट) तक पहुंच जाएगा। चंद्रयान-3 की सफलता के तुरंत बाद ही 2 सितंबर 2023 को प्रक्षेपित आदित्य-एल1 मिशन का उद्देश्य सूर्य की गतिविधियों और उसके आसपास के वातावरण का अध्ययन करना है। इससे अंतरिक्ष विज्ञान के कई रहस्यों का पता चलने के अलावा धरती पर होने वाले मौसम संबंधी बदलावों का आकलन करने में मदद मिलेगी। चांद और सूरज संबंधी अभियानों की सफलता को अपने माथे पर टांकने वाले इसरो को अभी कुछ ऐसे क्षेत्रों में आगे बढ़ना है जहां रूस, चीन और अमेरिका पहले से मौजूद हैं। जैसे कि अंतरिक्ष में इंसान को भेजना। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए इसरो ने अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम- गगनयान की इसी साल 21 अक्तूबर को संबंधित क्रू मॉड्यूल की सफल टेस्टिंग के साथ शुरुआत कर दी थी। इस तारीख को गगनयान की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में टेस्ट अबॉर्ट मिशन-1 का सफल प्रक्षेपण किया गया था। हालांकि गगनयान परियोजना के आरंभिक चरण में ड्रैग पैराशूट की टेस्टिंग करना भी शामिल है, जिसे इसरो ने इसी वर्ष 8-10 अगस्त 2023 के बीच चंडीगढ़ में टर्मिनल बैलिस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज फैसिलिटी में सफलतापूर्वक आयोजित किया था। उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय इस अभियान का उद्देश्य पृथ्वी की निचली कक्षा वाले अंतरिक्ष में इंसानों को भेजना और सफलतापूर्वक धरती पर वापस लाना है।

मौर्य की बदजुबानी अखिलेश को पड़ने लगी है भारी

अजय कुमार

स्वामी प्रसाद मौर्या की समाजवादी पार्टी के बिना कोई हैसियत नहीं है, यदि होती तो वह बीते वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में जनता द्वारा ठुकरा नहीं दिये गये होते। जिस नेता को जनता ने विधान सभा भेजने लायक नहीं समझा था, उस स्वामी प्रसाद को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विधान परिषद भेजकर माननीय बना दिया। सपा ने 2022 के विधानसभा में स्वामी प्रसाद मौर्या को कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से अपना प्रत्याशी बनाया था, जिसमे उनकी बीजेपी प्रत्याशी सुरेंद्र कुशवाहा के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था। कुछ लोग कह सकते हैं कि स्वामी प्रसाद मौर्या पांच बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं तो इसमें उनका कोई बड़ा योगदान नही था। दरअसल, स्वामी हवा का रूख देखकर अपनी सियासत बदलते रहते हैं, इसी लिए उनके सिर जीत का सेहरा बन जाता है, लेकिन इस बार उनका दांव उलटा पड़ गया। भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी की साइकिल पर चढ़कर चुनाव लड़ने वाले स्वामी को जब बीजेपी प्रत्याशी से हार का सामना करना पड़ा तो इसकी वजह भी थी, दरअसल स्वामी प्रसाद मौर्या को हराने के लिए बीजेपी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, जिस कारण स्वामी बीजेपी के एक छोटे से सिपाही से मात खा गये, इसी के बाद स्वामी ने हिन्दुओं और सनातन धर्म के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया तो अखिलेश को स्वामी प्रसाद के जरिये मुस्लिम वोट बैंक मजबूत होता नजर आने लगा। यह सब चलता रहता यदि मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी को बड़ी जीत नहीं हासिल होती। अब अखिलेश अपने आप को स्वामी प्रसाद के बयान से अलग दिखाने का स्वांग कर रहे हैं, लेकिन ऐसा है नहीं, यदि वाकई में अखिलेश चाह ले तों स्वामी प्रसाद मौर्या की इतनी हैसियत नहीं है कि वह हिन्दू धर्म के खिलाफ बदजुबानी

करते रहें। अखिलेश हो चाहें राहुल गांधी या अन्य तमाम ऐसे नेता जो अपने आप को जनता से ज्यादा होशियार समझते हैं, उन्हें जनता लगातार हासिये पर डालती जा रही है। यह बात अखिलेश के दिमाग में जितनी जल्दी बैठ जायेगी, पार्टी के लिए उतना ही अच्छा रहेगा.समाजवादी पार्टी के भीतर से जब स्वामी प्रसाद मौर्या के खिलाफ आवाजें उठने लगी हैं तब न जाने अखिलेश यादव इस बदजुबान नेता के खिलाफ कार्रवाई करने के लिये किस बात का इंजतार कर रहे हैं। यदि अखिलेश समय रहते सचेत नहीं हुए तो जनता 2019 के लोकसभा चुनाव की तरह 2024 में भी एक बार फिर से उन्हें रसातल में भेजने में देरी नहीं करेगी।

आश्चर्य की बात यह है कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की बदजुबानी थमने का नाम ही नहीं ले रही है। एक बार फिर वह हिंदू धर्म पर विवादित बयान देकर अपनी ही पार्टी में घिर गए हैं। गौरतलब हो गत दिनों दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट और आरएसएस प्रमुख के बयान को आधार बनाकर कहा था कि हिंदू एक धोखा है, उनका कहना था 1995 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हिंदू कोई धर्म नहीं है, यह जीवन जीने की एक शैली है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी दो बार कहा चुके है कि हिंदू नाम का कोई धर्म नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि हिंदू धर्म कोई धर्म नहीं है। जब ये लोग ऐसे बयान देते हैं तो भावनाएं आहत नहीं होतीं लेकिन अगर यही बात स्वामी प्रसाद मौर्य कहते हैं तो पूरे देश में भूचाल मच जाता है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने पहले रामचरितमानस को लेकर विवादित बयान दिया, फिर अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को धोखा बता दिया। स्वामी प्रसाद के बयान से सपा पल्ला झाड़ रही है तो वहीं अब इंडिया गठबंधन की उसकी सहयोगी कांग्रेस ने भी इसे लेकर मोर्चा खोल दिया है। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने मांग की है कि सपा स्वामी के खिलाफ कार्रवाई करे। बहरहाल, अबकी से स्वामी के इस विवादित बयान से सपा के बड़े नेताओं ने भी किनारा कर लिया है। डिंपल यादव ने कहा कि अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि यह स्वामी का निजी विचार है। उन्होंने कहा कि सपा इस बयान का समर्थन नहीं करती है। गौरतलब है कि हाल में लखनऊ में सपा ने महा ब्राह्मण समाज पंचायत का आयोजन किया था। इसमें अखिलेश के सामने स्वामी बयानों पर सवाल उठे थे। इस पर अखिलेश ने उनके बयानों को निजी बताते हुए उनसे पूरी तरह से पल्ला झाड़ने की कोशिश की थी। उधर, स्वामी के बयान पर पलटवार करते हुए केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि स्वामी के सनातन विरोधी बयानों से न तो हिंदू धर्म कमजोर होगा और न ही भव्य राम मंदिर का निर्माण रुकेगा। केशव प्रसाद ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जाको प्रभु दारुण दुख दीना, ताकी मति पहले हर लीना। उन्होंने कहा कि लगता है कि उनकी बुद्धि का हरण कर लिया गया है। उनको यह समझ में नहीं आ रहा है क्या बोलना चाहिए क्या नहीं। कुल मिलाकर स्वामी के विवादित बयानों से समाजवादी पार्टी को ही नुकसान उठाना पड़ जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि आम धारणा यही बन रही है कि स्वामी हिन्दू धर्म के खिलाफ जो जहर उगल रहे हैं, उसमें अखिलेश यादव का बड़ा योगदान है।

यूपी कांग्रेस को मजबूत करने के लिए हर स्तर पर हो रहे हैं सकारात्मक प्रयास

कमलेश पांडे

देश के सबसे बड़े राज्य में यूपी जोड़ो यात्रा को जो अपार जनसमर्थन मिल रहा है, उससे ऐसा नहीं प्रतीत हो रहा है कि यूपी में कांग्रेस पिछले 34 सालों से सत्ता से बाहर है। गठबंधन की राजनीति से उसकी कमर टूट चुकी है, जिसके चलते वह केंद्र में भी मजबूती से नहीं जम पा रही है। बदलते दौर में यूपी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए हर स्तर पर सकारात्मक प्रयास हो रहे हैं, जिसके सुखद परिणाम जल्द ही सामने आएंगे।

कहना न होगा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव की सूबाई गठबंधन नीति से यूपी समेत हिंदी पट्टी के जमे-जमाये नेताओं ने पार्टी के कार्यक्रमों से जो किनारा करना शुरू किया, उसमें पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के दस वर्षीय कार्यकाल को यदि छोड़ दिया जाए तो पुराना सिलसिला अब जाकर थमने के आसार प्रबल हुए हैं। वहीं, यूपी में कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को एड़ी-चोटी एक करनी होगी।

वजह स्पष्ट है कि यदि कांग्रेस को प्रदेश में मजबूत बनाना है तो हमें राष्ट्रीय नीति के साथ-साथ क्षेत्रीय नीति और स्थानीय नेता विकसित करके उनमें तारतम्य बिठाने की समुचित पहल करनी होगी। वहीं, विभिन्न कार्यक्रमों के सहारे लगातार उनकी मॉनिटरिंग भी करनी होगी। खास बात यह कि हमें राजनीतिक प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देने में नए-पुराने के तफरके में संतुलन बिठाना होगा। साथ ही नेतृत्वगत अधिकारों का विकेंद्रीकरण करना होगा और चरणबद्ध रूप से जिम्मेदारी तय करनी होगी, ताकि पार्टी संगठन में जान फूंकी जा सके।

ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूं कि गत दिनों लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों की समीक्षा बैठक में हमारे नेता राहुल गांधी यूपी कांग्रेस के नेताओं से नाखुश दिखे। जैसी की मीडिया रिपोर्ट आई है। बताया गया है कि यूपी में पार्टी के अंदर उत्साहित नेताओं की कमी है। यूपी कांग्रेस के नेता केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे रहना चाहते हैं, जिसकी वजह से ना तो वहां पार्टी खड़ी हो पा रही है और ना ही जीत मिल रही है, जबकि तेलंगाना के नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व के सहयोग से पार्टी खड़ी कर ली और चुनाव भी जीत लिया। वहां चार नेता ऐसे थे जो सीएम बनना चाहते थे, इसलिए सबने मेहनत की और सबकी मेहनत से पार्टी जीती। वहीं, यूपी में ऐसे तीन नेता नहीं हैं जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते हों और उसे पूरा करने के लिए कुछ कर गुजरने का माद्दा रखते हों।

एक अन्य टिप्पणी पर गौर करें तो पता चला है कि पार्टी का हर सदस्य चाहता है कि गांधी परिवार के सदस्य यूपी में पार्टी के अभियान का नेतृत्व करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि आगामी लोकसभा चुनाव में वे राज्य में कितने सक्रिय होंगे। यह ठीक है कि मुसलमान इस चुनाव में कांग्रेस की ओर देख रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों को सुनिश्चित करना होगा और उन सीटों को अपने गठबंधन में सपा से लाना होगा। जबकि कुछ लोगों ने सोचा कि वे बसपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं, जबकि बसपा के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। इस दौरान कई अलग-अलग मुद्दे सामने आए, लेकिन सभी की राय थी कि पार्टी को कड़ी सौदेबाजी करनी चाहिए और न केवल सम्मानजनक हिस्सेदारी बल्कि मजबूत सीटें भी हासिल करनी चाहिए।

ऐसे में सीधा सवाल है कि जब प्रदेश में पार्टी अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है और अपने नए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एक नई टीम बनाकर

आगे बढ़ रही है। तो फिर हमें पिछले 34 साल की उपलब्धियों-अनुपलब्धियों पर भी एक सरसरी नजर डाल लेनी चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यूपी में अपने सबसे खराब दौर में भी पार्टी ने कई प्रयोग किए। अकेले चुनाव भी लड़ी और गठबंधन का साथ भी लिया। लेकिन कोई बड़ा कारनामा नहीं कर सकी, आखिर ऐसा क्यों? यह यक्ष प्रश्न है।

बहरहाल, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने नए अध्यक्ष अजय राय के हाथ में कमान सौंपने के बाद यूपी जोड़ो यात्रा का आगाज कर चुकी है। वह अपनी नई टीम के साथ इस बात के लिए प्रतिबद्ध दिख रहे हैं कि अब कांग्रेस जुल्म और ज्यादती के खिलाफ सड़कों पर दिखेगी। साल 2024 में यह चुनौती उन्हें अपने अक्रामक तेवरों के साथ पूरी करनी होगी। क्योंकि वह अपने आक्रामक अंदाज के लिए पहचाने जाते हैं। हालांकि यह सवाल अलग है कि क्या प्रदेश की नई लीडरशिप कांग्रेस के लिए कोई करिश्मा कर पाएगी? खासतौर से ऐसे समय जब देश-प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। मसलन, यूपी में कांग्रेस का खराब दौर 1989 से ही चल रहा है। यह वह सियासी दौर था जब समाजवादियों ने राष्ट्रवादियों का साथ लेकर कांग्रेस को कमजोर करना शुरू किया, जिससे पहले धर्मनिरपेक्षता की धार कुंद हुई और फिर सामाजिक न्याय की। इससे कांग्रेस को इतनी क्षति हुई कि एक बार आम चुनाव 1998 में उसे यूपी से एक भी लोकसभा सीट नहीं मिली। इस दौरान वह सिर्फ एक बार 2009 के लोकसभा चुनाव में ही अधिकतम 21 सीटें जीत सकी थी। इसी वक्त उसने एक उपचुनाव भी जीती और अपनी सीटें 22 कर ली थी। इसके बाद से फिर 2014 में वह दो सीट पर आ गई और 2019 में सिर्फ रायबरेली की एक सीट जीत सकी। आम चुनाव 1989 से यूपी में कांग्रेस का लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन कैसा रहे, उसके लिए चुनाव वर्ष के सामने जीती हुईं सीटें दी गई हैं- 1989-17, 1991-05, 1996-04, 1998-00, 1999-10, 2004-09, 2009-21/22 (उपचुनाव सहित), 2014-02 और 2019-01.

हालांकि इस हालात को बदलने के लिए कांग्रेस ने प्रदेश की लीडरशिप में भी कई बदलाव किए। अमूमन 34 साल में 17 प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए, जो हर क्षेत्र, जाति, वर्ग और संप्रदाय के साथ ही प्रदेश के अलग-अलग इलाकों से भी लिए गए। देखा जाए तो वरिष्ठ नेताओं से लेकर जमीनी कार्यकर्ता स्तर तक के नेता को ये बड़ी जिम्मेदारी दी गई, लेकिन हालात जस के तस बने रहे, कुछ अपवादों को छोड़कर। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी तक को भी बतौर प्रभारी सूबे में उतरना पड़ा। उनके नेतृत्व में ही अब जाकर किसी चमत्कार की उम्मीद जगी है।

साल 1989 से अब तक कांग्रेस अध्यक्ष, उनकी कोटि और उनका कार्यकाल इस प्रकार है- बलराम सिंह यादव (ओबीसी)1988-1990, राजेंद्र कुमारी बाजपेई (सवर्ण) 1990-1991, महावीर प्रसाद (एससी)1991-1994, नारायण दत्त तिवारी (सवर्ण) 1994-1995, जितेंद्र प्रसाद (सवर्ण) 1995-1997, नारायण दत्त तिवारी (सवर्ण) 1997-1998, सलमान खुर्शीद (मुस्लिम)1998-2000, श्रीप्रकाश जायसवाल (ओबीसी) 2000-2002,

अरुण कुमार सिंह मुन्ना (सवर्ण) 2002-2003, जगदम्बिका पाल (सवर्ण) 2003-2004, सलमान खुर्शीद (मुस्लिम) 2004-2007, रीता बहुगुणा जोशी (सवर्ण) 2007-2012, निर्मल खत्री (सवर्ण) 2012-2016, राज बब्बर (ओबीसी) 2016-2019, अजय कुमार लल्लू (ओबीसी) 2019-2022, बृजलाल खाबरी (एससी) 2022-2023, अजय राय (सवर्ण) (2023-वर्तमान)

ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले आखिर, नई लीडरशिप के पीछे कांग्रेस की क्या मंशा है और उनकी टीम से क्या उम्मीदें हैं? क्योंकि वरिष्ठ नेताओं को भरोसा है कि लगातार 10 साल तक सत्ता में रहने के बाद देश में भाजपा के खिलाफ जो माहौल बन रहा है, उसका फायदा कांग्रेस को ही मिलेगा। क्योंकि राहुल गांधी लगातार जनता के बीच रहकर देश में माहौल बना रहे हैं। इसलिए अब जरूरत है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में सुस्त पड़ी कांग्रेस में जान फूंकी जाए। इसकी सकारात्मक शुरुआत भी यूपी जोड़ो यात्रा से हो चुकी है। कहना न होगा कि यह काम यहां आक्रामक तेवरों के साथ ही हो सकता है, जैसा कि हमने टीबी डिबेट्स में कड़ा रुख अपनाया है। इसी तरह से राष्ट्रीय और प्रदेश दोनों स्तर पर जब काम होगा, तभी यहां से कुछ हासिल हो सकता है, अन्यथा नहीं।

शानदार कैरियर का ताना-बाना

कपडों के मामले में भारत बहुत समृद्ध है। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजार की मांग से कदम मिलाए रखने के लिए हमें योग्य और प्रतिभाशाली डिजाइनरों की जरूरत है....

कहां हैं केन्द्र

कॉरपोरेट ऑफिस और डिजाइनर स्टूडियो शहरों में स्थित है, लेकिन असल गतिविधियां तो करूर, पानीपत, कन्नूर जैसे कस्बों और गांवों में स्थित फैक्टरियों, हथकरघे और हस्तशिल्प केन्द्रों में हो रही हैं, जहां परंपरागत शिल्प के अनुसार काम किया जाता है। होम फर्नीशिंग का कलेक्शन तैयार किया जाता है, वह विदेशों में लगातार बिकता है।

फुलटाइम जॉब

टेक्सटाइल डिजाइन ग्रेजुएट्स, एक्सपोर्ट हाउस, बाइंग (खरीदार) हाउस, टेक्सटाइल मिल, हैंडलूम मिल में फुलटाइम नौकरी कर सकते हैं या फिर फैशन डिजाइनरों, डिजाइन स्टुडियो या बाइंग एजेंसी के लिए काम कर सकते हैं। हमें स्थानीय बाजार से फैब्रिक खरीदना पडता था, उसके अनुसार डिजाइन तैयार करने पडते हैं, कढाई करवानी पडती और कलेक्शन से मैच करते पैटर्न प्रिंट करने पडते, उसके बाद ही अच्छा उत्पाद तैयार हो पाात है। कई एक्सपोर्ट हाउस अपने डिजाइनरों को भारत और विदेशों में डिजाइन ईवेंट्स और प्रदर्शनियों में जाने का भी अवसर देते हैं। आप रेमण्ड जैसे अग्रणी फैब्रिक और फैशन रिटेलर के साथ भी काम कर सकते हैं। घरेलू बाजार में टेक्सटाइल डिजाइनरों की मांग है ही, विदेशों में आउटसोर्सिंग के लिए डिजाइनरों की मांग बढ रही है।

कहां से करें कोर्स

टेक्सटाइल डिजाइन कोर्स कक्षा 12 के बाद डिजाइन संस्थानों द्वारा करवाया जाने वाला चार वर्षीय अंडरग्रेजुएट कोर्स है। चयन प्रेक्टिकल स्टुडियो टेस्ट और इंटरव्यू के जरिए होता है, डिजाइन कैरियर में आपका एप्टीट्यूड, रुचि और मोटीवेशन का स्तर आंका जाता है। फैब्रिक, शिल्प या संबंधित पहलुओं का अनुभव जरूरी है। (प्रवेश परीक्षाओं के लिए कैरियर्स 360.कॉम देखें)। रचनात्मकता दर्शाने के लिए आपको पोर्टफोलियो भी तैयार करना पड सकता है। कोर्स में पहले साल बुनियादी डिजाइन कोर्स कराया जाता है, इसके अलावा छात्र स्पेशलाइजेशन के क्षेत्रों से परिचित होते हैं। पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट्स से जुडा होता है और टेक्सटाइल के सारे पहलू इसमें शामिल होते हैं, मसलन, वीविंग (बुनाई), प्रिंटिंग, रंगाई और विभिन्न उपयोगों के लिए फैब्रिक तैयार करना। स्टुडेंट्स एक्सचेंज प्रोग्राम भी समृद्ध अनुभव करवाने वाले होते हैं।

पीजी के लिए योग्यता

आपने किसी संबंधित स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया है, तो टेक्सटाइल का ज्ञान अर्जित करने के लिए पीजी कर सकते हैं। एनआईडी में पीजी प्रोग्राम के लिए योग्यताएं हैं-बीएफए, डिजाइन डिग्री इन टेक्सटाइल, निटवियर या फैशन, टेक्सटाइल्स के साथ होम साइंस, इंटीरियर डिजाइन एंड आर्किटेक्चर, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में स्पेशलाइजेशन वाली इंजीनियरिंग डिग्री कर चुके भी पीजी प्रोग्राम कर सकते हैं। अन्य विषय में ग्रेजुएट्स को टेक्सटाइल्स उद्योग में एक साल का अनुभव है तो यह पीजी प्रोग्राम कर सकते हैं।

और भी हैं रास्ते

आप टेक्सटाइल डिजाइन में स्पेशलाइजेशन के साथ बैचलर इन फाइन आर्ट्स भी कर सकते हैं, इस कोर्स का फोकस तकनीकी कौशल पर होता है। लेकिन डिजाइन संस्थानों और फाइन आर्ट्स कॉलेजों में सीटें सीमित होती हैं। एक अन्य रास्ता है, बीएससी इन होम साइंस, जिसमें टेक्सटाइल भी एक विषय होता है। मिसाल के तौर पर लेडी इरविन कॉलेज बीएससी इन होम साइंस प्रोग्राम में फैब्रिक एंड ऐपेरल साइंस की भी पेशकश करता है। इसके अलावा फैब्रिक एंड ऐपेरल साइंस में एमएससी भी उपलब्ध है। दुर्भाग्य से होम साइंस कोर्स महिलाओं के लिए ही है। पोलिटेक्निक और क्राफ्ट्स इंस्टीट्यूट भी ऐसे प्रोग्राम की पेशकश करते हैं। कई डिजाइन और छोटे स्टुडियो इन संस्थानों से सहायकों का चयन करते हैं। नियुक्ति पार्ट टाइम या प्रोजेक्ट के आधार पर होती है। आप कोई भी रास्ता अपनाएं, रचनात्मकता, टेक्सटाइल के लिए जुनून और अधिक से अधिक सीखने की लगन आपको दूसरों से आगे ले जाएगी।

पोलिटेक्निक

एक टेक्सटाइल डिजाइन प्रोग्राम आपको डिजाइन के तकनीकी और रचनात्मक पहलुओं में प्रशिक्षित करेगा। एक प्रतिष्ठित संस्थान से टेक्सटाइल डिजाइन प्रोग्राम पास करने वाले उम्मीदवार को पहली ही नौकरी में 20,000 से 30,000 रु. वेतन मिल सकता है। तो पोलिटेक्निक से कोर्स करने वाला छात्र एक्सपर्ट हाउस जैसे संस्थानों में 8,000 रु. से शुरुआत कर सकते हैं। काम की दृष्टि से देखें तो टेक्सटाइल उद्योग 1980 से अब तक एक लंबा सफर तय कर चुका है। तब आप या तो एक छोटे से डिजाइन स्टुडियो के लिए काम कर सकते हैं, जो उसे टेक्सटाइल मिलों को ही भेजता था या आप मिल में ही काम पा सकते हैं।चुनौती, डिजाइन की पेपर ड्राइंग तैयार करने तक ही सीमित हैं, आप नहीं जानते कि आपकी रचना किस रूप में सामने आएगी। कई बार क्राफोर्ड मार्केट में अपनी इलस्ट्रेशन्स पहचान जरूरी होता हैं जो बच्चों के रुमालों के लिए भी बनाई जाती है। आज डिजाइनर टेक्सकेड और टेक्सट्रोनिक जैसे सॉफ्टवेयर इस्तेमाल करते हैं।

बन सकते हैं, उद्यमी भी

टेक्सटाइल डिजाइनर बनने के बाद आपके लिए उद्यमी बनने के भी रास्ते खुले हैं। आप अपना डिजाइन स्टुडियो खोलकर डिजाइनरों की सेवाएं ले सकते है, और अंतर्राष्ट्रीय तथा भारतीय क्लाइंट्स की जरूरतें पूरी करने पर अपना ध्यान केन्द्रित कर सकते है। 20-25 लोगों की टीम के साथ उनकी कंपनी डिजाइन फैब्रिक और सॉफ्ट होम फर्नीशिंग पर ध्यान केन्द्रित करती है। हालांकि जब-तब उन्हें अपनी वेबसाइट के जरिए विदेशों से एक अनूठा प्रोजेक्टर भी हाथ लग जाता है। लम्बे समय तक विदेशी ट्रेंड और तकनीक की समझ होने की वजह से हमें यह समझ आ जाती है कि कौन से पिंट चल सकते हैं, कौन से नहीं। नवीनतम डिजाइनों से परिचित होने के अलावा सफल उद्यमी बनने के लिए मार्केटिंग और प्रबंधन में कुशल होना भी जरूरी है। एप्रोच बहुत जरूरी है। रचनात्मकता जो बाजार में प्रासांगिक हो और सांस्कृतिक विरासत, शिल्प या क्षेत्रीय पहचान को सामने ला सके, वह आपके लिए अधिक जरूरी है। उनके प्रोजेक्ट्स में घरेलू रिटेल स्टोर के लिए टेक्सटाइल डिजाइन तैयार करना और आर्किटेक्ट्स तथा इंटीरियर डिजाइनरों के साथ काम घरों के लिए होम फर्नीशिंग तैयार करना शामिल है।

कारीगरों से संपर्क भी जरूरी

कारीगरों के साथ काम टेक्सटाइल डिजाइनरों के काम का एक अन्य पहलू है। कलाकारों से संपर्क बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है इससे समस्या सुलझने वाले अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्हें बाजार संबंधी जानकारी देना आपका भी काम है। यदि आप चुनौतियां स्वीकार नहीं करते तो डिजाइन प्रोफेशन आपके लिए है ही नहीं।

[भविष्यफल]

मेष
आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा। आज आपके घर में कोई शुभ कार्य होने के संकेत हैं।

वृष
आज आपका पूरा दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। घर पर हो रहे किसी पूजा अनुष्ठान में माता-पिता के साथ आप भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मिथुन
आज आपका दिन सामान्य रहेगा। नौकरीपेशा हैं तो काम के संबंध में कहीं की यात्रा हो सकती है, ऐसे में सावधानी अवश्य बरतें।

कर्क
आपके लिए आज का दिन बेहतर परिणाम देने वाला रहेगा। यदि आप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे हैं और इंटरव्यू होने वाला है ।

सिंह
आज आप मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। आपके परिवार में आज आध्यत्मिक वातावरण बना रहेगा, सभी के साथ आपका व्यवहार बहुत संतुलित रहेगा।

कन्या
आज आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार के सभी सदस्य आज एक साथ बैठकर किसी पुरानी बात को लेकर गहन चर्चा करेंगे।

तुला
आपका रूझान संगीत की ओर रहेगा। आज आप मित्रों के साथ मिलकर घर में गीत संगीत का प्लान बनाएंगे।

वृश्चिक
आज आप पूरे दिन आशा से भरे रहेंगे। अपने बच्चों की पढ़ाई और विद्यालय की अन्य गतिविधियों में उनकी अच्छी सफलता देखकर आप बहुत आनंदित होंगे।

धनु
आज आपकी प्रशंसा हो सकती है, पारिवारिक जीवन आज शुभ फलदायी साबित होगा। आज किन्हीं कारणों से घर का उत्तरदायित्व आप पर होगा।

मकर
आज कोई आपको नई आहार योजना या नई व्यायाम प्रणाली शुरू करने के लिए प्रेरित करेगा। लंबी सैर पर जाना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

कुंभ
आज आप बच्चों के साथ कहीं घूमने-फिरने जाने का प्लान बना सकते हैं। घर में आज किसी मेहमान के आने से आपको खुशी मिलेगी।

मीन
आज आप अच्छे स्वास्थ्य का आनन्द उठाएंगे। आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर रहेगी, आप सक्रिय रहेंगे।

फैशन कोरियोग्राफी

अगर आपको भी रैंप, मॉडल्स और फैशन शोज अट्रैक्ट करते हैं और आप भी चाहते हैं फैशन की दुनिया के लिए कुछ नया करना, तो फैशन कोरियोग्राफी में अपना करियर बना सकते हैं।

फैशन का जलवा

आमतौर पर फैशन कोरियोग्राफी को फैशन डिजाइनिंग ही समझ लेते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। कोरियोग्राफर के ऊपर पूरे शो की जिम्मेदारी होती है। फैशन शो में किस मॉडल को क्या पहनना है, रैंप पर कैसे आना है, कैसे जाना है, साथ ही शो स्टॉपर के साथ मॉडल्स की पोजीशंस को कोरियोग्राफर ही मैनेज करता है।

फैशन शो की बढती डिमांड

आज के दौर में फैशन शोज बहुत जल्दी-जल्दी ऑर्गेनाइज होने वाला इवेंट बनता जा रहा है। यह फैशन इंडस्ट्री में हो रहे अपडेट्स को जानने का भी बेहतर सोर्स है। ऐसे में फैशन कोरियोग्राफर्स की डिमांड, वर्क एरिया, अपॉर्च्युनिटीज भी बढती जा रही हैं। कॉलेज इवेंट्स के अलावा कॉरपोरेट इवेंट्स में भी फैशन शोज काफी पॉपुलर हो रहे हैं।

यूथ के लिए अट्रैक्टिव

यूथ के लिए यह फील्ड काफी अट्रैक्टिव है, क्योंकि इसमें क्रिएटिविटी और इमेजिनेशन में ग्लैमर का तडका लगाने की जरूरत होती है। यूथ हर बार कुछ नया करना चाहता है। इस फील्ड में इसी स्पिरिट की सबसे ज्यादा जरूरत है। यूथ कॉलेज टाइम से ही बदलते फैशन ट्रेंड से अवेयर होते हैं। कॉलेज टाइम से ही फ्रेशर्स, फेयरवेल जैसी पार्टीज में इस तरह के इवेंट्स होते रहते हैं। इसलिए फैशन डिजाइनिंग के बाद अब कोरियोग्राफी का भी क्रेज बढ रहा है।

सेलेक्शन ऐंड कलेक्शन

फैशन कोरियोग्राफर में म्यूजिक के सेलेक्शन और कलेक्शन की समझ के साथ-साथ शो के लिए एक लुक तैयार करने की भी समझ होनी चाहिए। कोरियोग्राफर को एक ही वक्त पर कई सारे काम करने पडते हैं, जैसे मॉडल और डिजाइनर से ड्रेस की फिटिंग चेक कराना, म्यूजिक सेलेक्शन, शो को डायरेक्ट करना, डीजे म्यूजिक और लाइट इंजीनियर के साथ कोऑर्डिनेट करना।

थ्योरी से ज्यादा प्रैक्टिकल

यह एक ऐसा फील्ड है, जिसमें किताबी कीडा बनने की बजाय प्रैक्टिकल नॉलेज की इंपोर्टेंस ज्यादा है। इसके लिए कोई स्पेशल कोर्स नहीं है।अगर आपमें क्रिएटिविटी है, तो किसी फैशन कोरियोग्राफर के साथ काम सीख सकते हैं। बेसिक्स के लिए फैशन डिजाइनिंग कोर्स कर सकते हैं। इसके ग्रेजुएशन कोर्स में एडमिशन के लिए 50 परसेंट मा?र्क्स के साथ हायर सेकंडरी होना जरूरी है।

ग्लैमर के साथ पैसा

शुरुआत में आपको 15,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये तक की सैलरी मिल सकती है। आपके खाते में जितने ज्यादा हिट शोज होंगे, अर्निंग भी उसी के मुताबिक बढेगी।

कहां से करें कोर्स?

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, हौज खास, नई दिल्ली, www.nift.ac.in
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पालदी, अहमदाबाद, www.nid.edu
- एपीजी शिमला यूनिवर्सिटी, शिमला www.apg.edu.in
- स्कूल ऑफ फैशन टेक्नॉलॉजी, पुणे www.soft.ac.in

फैशन कोरियोग्राफर बनने के लिए इंडिया में अलग से कोई कोर्स नहींहोता है। इसके लिए जरुरी है कि आप किसी फैशन कोरियोग्राफर के साथ काम सीखें, अगर आपमें क्रिएटिविटी है, तो फिर यह फील्ड आपके लिए ही है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

ममता बनर्जी ने कांग्रेस को दिखाई आंख

कोलकाता। जनवरी के पहले सप्ताह में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा कर सकती है। इन सब के बीच पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी लगातार कांग्रेस को आंखें दिखाने की कोशिश कर रही है। एक बार फिर से ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कहा है कि पश्चिम बंगाल में केवल तृणमूल कांग्रेस ही भाजपा को सबक सिखा सकती है। इसका मतलब साफ है कि ममता बनर्जी ने कांग्रेस के साथ-साथ इंडिया गठबंधन में शामिल लेफ्ट के नेताओं को भी संदेश दे दिया है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और इंडिया गठबंधन में भी राज्य में इसकी भूमिका बड़ी रहनी चाहिए। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस आमने-सामने होते हैं। इसके अलावा वामपंथी दल और कांग्रेस के बीच गठबंधन भी बंगाल में रहता है जिसका मुकाबला ममता बनर्जी की पार्टी से होता है। ममता ने अपने बयान में कहा इंडिया गठबंधन पूरे देश में होगा।

ललन सिंह ने जेडीयू अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पद छोड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया है। इस इस्तीफे के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पार्टी की कमान संभालने की उम्मीद जताई जा रही है। पिछले कुछ दिनों से यह खबर सुर्खियों में थी कि लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए ललन सिंह को अध्यक्ष पद से हटाकर नीतीश कुमार खुद कमान संभालेंगे। ऐसे में शुक्रवार को ललन सिंह के इस्तीफे ने इन अफवाहों को सही साबित कर दिया है। पार्टी नेता के सी त्यागी का कहना है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जदयू का अध्यक्ष चुना गया। जेडीयू नेता श्रवण कुमार का कहना है कि ललन सिंह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ना है, जिसके लिए उन्हें समय नहीं मिलता है।

राहुल गांधी को बनना चाहिए पीएम उम्मीदवार: सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनना चाहिए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने यह बयान तब दिया, जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके दिल्ली समकक्ष अरविंद केजरीवाल जैसे इंडिया ब्लॉक के कुछ घटकों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए गठबंधन का प्रधान मंत्री पद का चेहरा बनाने की वकालत की थी। सिद्धारमैया ने कहा कि इस देश की समस्याओं को दूर करने की ताकत सिर्फ कांग्रेस पार्टी में है...इसके लिए राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनना चाहिए। बेंगलुरु में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सिद्धारमैया ने भारत जोड़ो यात्रा के लिए राहुल गांधी की सराहना की और कहा कि किसी ने ऐसा कुछ नहीं किया है और अब वह (राहुल गांधी) भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा संस्करण - न्याय यात्रा ले रहे हैं।

यह महाराष्ट्र है और शिवसेना यहां की सबसे बड़ी पार्टी : राउत

मुंबई। इंडिया गठबंधन के सीट बंटवारे को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में शिवसेना ही सबसे बड़ी पार्टी है। इसी के साथ उन्होंने शिवसेना को राज्य का नंबर-1 पार्टी बताया है। संजय राउत ने कहा, यह महाराष्ट्र है और शिवसेना यहां की सबसे बड़ी पार्टी, लेकिन कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है। उद्धव ठाकरे कांग्रेस के निर्णय लेने वाले नेता मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी से लगातार चर्चा कर रहे हैं। हमने हमेशा कहा कि हम लोकसभा में 23 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान हमने निर्णय लिया कि जीत हासिल करने के बाद ही हम सीट बंटवारे पर चर्चा करेंगे। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस महाराष्ट्र में एक भी सीट नहीं जीत पाई है, इसलिए उन्हें शून्य से शुरू करना होगा। कांग्रेस, महाविकास अघाड़ी (एमवीए) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। शिवसेना आज भी महाराष्ट्र में नंबर-1 पार्टी है।

परेड में पंजाब-दिल्ली की झांकी रद्द होने पर भड़की आप

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ पर इस बार दिल्ली की झांकी दिखाई नहीं देगी। केंद्र सरकार ने दिल्ली के प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया है। इस पर आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार से नाराजगी जाहिर की है। आप ने मोदी सरकार पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। पार्टी का आरोप है कि मोदी सरकार भाजपा शासित राज्यों को लगातार मौका दे रही है, जबकि दिल्ली सरकार को अपना मॉडल देश के सामने रखने का अवसर नहीं दिया। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली की गणतंत्र दिवस की झांकी को केंद्र सरकार तीन साल से रद्द करती आ रही है। 2022 में थीम रिजॉल्व 75 थी, जिसमें दूसरे दौर की बैठकों में हमारे डिजाइन को रद्द कर दिया गया था। 2023 में थीम नारी शक्ति थी, हमारे डिजाइन को फिर से रद्द कर दिया गया और 2024 में थीम विकसित भारत है और हमारी झांकी को फिर से रद्द कर दिया गया।

पीएम मोदी देंगे यूपी के कई जिलों को सौगात, अयोध्या धाम से तैयार हो गई लोकसभा चुनावों की पिच

अयोध्या में 16000 करोड़ रुपये की योजनाओं का शुभारंभ करेंगे प्रधानमंत्री

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी राम मंदिर के शुभारंभ से पहले ही शनिवार को अयोध्या पहुंच रहे हैं। इस दौरान वह अयोध्या को ही 16000 करोड़ रुपये से ज्यादा की सुविधाओं की सौगात देने वाले हैं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इस दौरान सिर्फ अयोध्या ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के कई अलग-अलग जिलों की भी परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। अयोध्या से उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में किए जाने वाले लोकार्पण को सियासी नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सियासी जानकार मानते हैं कि अयोध्या धाम से प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा चुनावों की पिच पर बैटिंग की शुरुआत करेंगे। ऐसा करके प्रदेश में होने वाली विकास की योजनाओं का अयोध्या से सीधे कनेक्ट बनेगा। दरअसल इस लोकसभा चुनाव में अयोध्या में बनकर तैयार हुआ राम मंदिर भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़े मुद्दों में शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अयोध्या पहुंचेंगे। इस दौरान वह अयोध्या में एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित करने वाले हैं। इसके अलावा अयोध्या में 16000 करोड रुपये की कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ कर विकास का बड़ा स्वरूप तैयार करने जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री वैसे तो अयोध्या में एयरपोर्ट के शुभारंभ से लेकर अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के आवागमन की शुरुआत करेंगे। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह भी है कि प्रधानमंत्री सिर्फ अयोध्या ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के कई अलग-अलग जिलों की योजनाओं का भी लोकार्पण करने वाले हैं, जिसमें कानपुर, उन्नाव, लखीमपुर, बनारस, अमेठी, पीलीभीत समेत शाहजहांपुर शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के इन अलग-अलग जिलों में प्रधानमंत्री मोदी तकरीबन 5000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी उन्नाव में सीवरेज ट्रीटमेंट वर्क, कानपुर के जाजमऊ में टेनरी क्लस्टर का लोकार्पण करेंगे। जबकि पीलीभीत लखीमपुर और शाहजहांपुर से गुजरने

वाले नेशनल हाईवे के टू लेन समेत कानपुर के रूमा चकेरी चांदरी रेलवे लाइन को भी इलाके के विकास के लिए लोकार्पित करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या से ही अपने लोकसभा क्षेत्र बनारस के गोसाई का बाजार फोरलेन बाईपास और कानपुर अमेठी की त्रिशुंडी परियोजना का लोकार्पण करेंगे। राजनीतिक विश्लेषक मिथिलेश राय कहते हैं कि यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि प्रधानमंत्री अयोध्या में रहकर सिर्फ अयोध्या ही नहीं, बल्कि अयोध्या से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में कई परियोजनाओं का लोकार्पण कर रहे हैं। मिथिलेश कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी के लिए अयोध्या इस वक्त बेहद महत्वपूर्ण है। पूरे देश और दुनिया में इस वक्त अयोध्या और राम मंदिर की चर्चा हो रही है। ऐसे में अगर अयोध्या से देश और प्रदेश के किसी भी हिस्से में परियोजना की शुरुआत होती है, तो वह सीधे अयोध्या से कनेक्ट करता है, जो सियासी रूप से भारतीय जनता पार्टी के लिए मुफीद भी है।

भाजपा की रणनीति के मुताबिक अगर अयोध्या से किसी परियोजना का प्रदेश या देश के किसी हिस्से के प्रारंभ होता है, तो उसका सियासी लाभ भी पार्टी को मिलना तय माना जा रहा है। इस लिहाज से प्रधानमंत्री मोदी का अयोध्या से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में परियोजनाओं के लोकार्पण को सियासी नजरिए से भी देखा जा रहा है। पत्रकार जीडी शुक्ला कहते हैं कि भले ही आने वाले लोकसभा चुनाव में मोदी-योगी की सरकार की योजनाओं के सहारे यूपी में सियासी जमीन तैयार हुई हो, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में अयोध्या राम मंदिर से जिस तरीके से माहौल बना है, वह भाजपा के लिए सियासी तौर पर बहुत मुफीद लग रहा है। ऐसे में पार्टी भी जनता तक सियासी संदेश पहुंचाने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती। वह कहते हैं कि अयोध्या से अलग-अलग जगह की परियोजनाओं की शुरुआत और लोकार्पण इस बात की तस्दीक भी करते हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को एयरपोर्ट, हाईवे, रेलवे स्टेशन व रेलवे लाइन दोहरीकरण के साथ कई बड़ी परियोजनाओं की सौगात अयोध्या को देंगे। इनमें श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर खासतौर से फोकस होगा। चार प्रमुख पथों का भी लोकार्पण होगा। प्रधानमंत्री शनिवार की सुबह अयोध्या में छह वंदे भारत व दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें से अयोध्या-आनंद विहार वंदे भारत व दिल्ली-दरभंगा अमृत भारत ट्रेन को अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से वर्चुअल माध्यम से रवाना करेंगे। पीएम अयोध्या धाम स्टेशन पर तैयार नए भवन का लोकार्पण भी करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी कहते हैं कि राम, राम मंदिर और अयोध्या हमेशा से भारतीय जनता पार्टी के लिए आस्था का विषय रही है। जो लोग इसे सियासत से जोड़ रहे हैं, दरअसल वही लोग इस पर सियासत भी कर रहे हैं।

राम मंदिर उद्घाटन में शामिल होंगे सोनिया गांधी और खरगे?

नईदिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह में कुछ ही हफ्ते बचे हैं, ऐसी खबरें आई हैं कि सोनिया गांधी और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के समारोह में शामिल होने पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। निर्णय उचित समय पर लिया जाएगा और सूचित किया जाएगा।

अभिषेक समारोह 22 जनवरी को आयोजित किया जाना है, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बॉलीवुड अभिनेता माधुरी दीक्षित और अमिताभ बच्चन सहित अन्य लोग शामिल होंगे। यह समारोह मंदिर में राम लला की मूर्ति की स्थापना का गवाह बनेगा। इस बीच, तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कहा कि उन्हें राम मंदिर अभिषेक में शामिल होने के लिए अभी तक औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला है। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से सोनिया गांधी, अधीर रंजन चौधरी और मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा गया है।

कांग्रेस के सामने 22 जनवरी को रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का निमंत्रण तो है लेकिन इसको लेकर कौन सा कदम उठाना है, इस पर उलझन बरकरार है। कांग्रेस के सामने दुविधाओं का दौर है। अगर कांग्रेस नेता इस समारोह में शामिल होते हैं तो अल्पसंख्यक वोट बैंक के नाराज होने का डर है। तो दूसरी ओर इसमें शामिल नहीं होते हैं तो भाजपा के लिए हिंदुत्व के पिच पर कांग्रेस को घेरने का बड़ा मौका मिल जाएगा। अगर कांग्रेस नेतृत्व इस समारोह से किनारा करता है तो हिंदुत्व विरोधी ठप्पा और भी मजबूत हो सकता है। दिलचस्प बात यह भी है कि पिछले एक दशक से कांग्रेस मुस्लिम वोटो को एक बार फिर से लामबंद करने के लिए कड़ी

मशक्कत करती नजर आ रही है। 1989 तक मुस्लिम वोट कांग्रेस के पक्ष में रहा।

राम मंदिर पर सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस ने किया किनारा

कांग्रेस ने शुक्रवार को वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा की अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के महत्व पर सवाल उठाने वाली हालिया टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया और कहा कि वह इस मामले पर पार्टी के रुख को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। कांग्रेस संचार प्रभारी जयराम रमेश ने स्पष्ट किया कि समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में व्यक्त किए गए पित्रोदा के विचार उनके अपने थे और पार्टी की आधिकारिक स्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। रमेश ने कहा, वह कांग्रेस का दृष्टिकोण नहीं बता रहे हैं, यह उनका दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि पित्रोदा कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं बोलते हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष पित्रोदा ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों पर राम मंदिर पर ध्यान केंद्रित करना उन्हें परेशान करता है। यह बयान 22 जनवरी को राम मंदिर के निर्धारित उद्घाटन से कुछ दिन पहले आया है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंदिर के गर्भगृह में राम लला की मूर्ति स्थापित करने की उम्मीद है। पित्रोदा ने आगामी 2024 लोकसभा चुनावों और राजनीति में धर्म पर अत्यधिक जोर के बारे में अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं।

खेल
प्रमुख समाचार

आवेश दूसरे टेस्ट के लिए शमी की जगह टीम इंडिया में शामिल

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका ने भारत को सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट में हरा दिया। इस जीत के साथ अफ्रीकी टीम ने सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त ले ली है। अब सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट तीन जनवरी से केप टाउन में खेला जाएगा। इस टेस्ट के लिए बीसीसीआई ने स्क्वॉड में कुछ बदलाव किए हैं। बोर्ड ने तेज गेंदबाज आवेश खान को भारतीय टेस्ट टीम के साथ जोड़ा है। उन्हें मोहम्मद शमी की जगह टीम में शामिल किया गया है। शमी चोट की वजह से सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम से बाहर हो गए थे। तब बीसीसीआई ने उनके रिप्लेसमेंट का एलान नहीं किया था।

इससे पहले सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट में भारतीय टीम को पारी और 32 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद आईसीसी ने एक और झटके देते हुए स्लो ओवर रेट के लिए भारतीय टीम के दो अंक काट लिए। हार से टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 चक्र की अंक तालिका में पांचवें स्थान पर लुढ़क गई थी, वहीं आईसीसी के दो अंक काटने से टीम इंडिया एक स्थान और लुढ़क कर छठे स्थान पर पहुंच गई।

यह टीम इंडिया की सेना देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर लगातार पांचवीं हार थी। 2022 में जोहानिसबर्ग में भारत को सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2022 में ही केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका ने फिर से सात विकेट से हराया था।

दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा, केएस भरत (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, आवेश खान।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 170 अंक गिरा निफ्टी 21,750 से नीचे

नईदिल्ली। साल के अंतिम कारोबारी दिन देसी शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 170 अंक फिसला। वहीं, निफ्टी में भी 47 अंक की गिरावट दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों क्रमश: 0.85 प्रतिशत और 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए। बहरहाल, बीएसई सेंसेक्स 18.8 फीसदी और निफ्टी 20.1 फीसदी की ठोस बढ़त के साथ कैलेंडर वर्ष 2023 को समाप्त कर रहा है। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 170.12 अंक यानी 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 72,240.26 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 72,082.64 और 72,417.01 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 47.30 अंक यानी 0.22 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 21,731.40 अंक पर बंद हुआ।

मोदी सरकार के कार्यकाल में टैक्स कलेक्शन 3 गुना हुआ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के 10 साल के कार्यकाल में व्यक्तिगत आय और कॉरपोरेट कर संग्रह तीन गुना बढ़कर 19 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। लोगों की आय पर रिफंड के समायोजन के बाद शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2013-14 में 6.38 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 16.61 लाख करोड़ रुपये हो गया। चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर - व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर - से संग्रह में अब तक 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इस गति से 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में लगभग 19 लाख करोड़ रुपये जुटाने की संभावना है। यह राशि 2023-24 के बजट में बताए गए 18.23 लाख करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक होगी। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार कम दरों और कम छूट के साथ कर व्यवस्था को सरल बनाने की कोशिश कर रही है।

फंड रेजिंग की मंजूरी के बाद चमका पीएनबी का शेयर

नईदिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की तरफ से 7,500 करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा के बाद पब्लिक सेक्टर के बैंक में शुक्रवार सुबह के कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की गई। पीएनबी का शेयर शुक्रवार को एनएसई पर 96.40 रुपये पर खुला और इंट्राडे कारोबार में 96.55 रुपये के हाई लेवल को छू गया, जो इसका 52 सप्ताह का हाई लेवल है। हालांकि, इस पब्लिक सेक्टर बैंक के स्टॉक में जल्द ही मुनाफावसूली शुरू हो गई और शेयर 52 सप्ताह के हाई लेवल से वापस आते हुए 94.80 रुपये के इंट्राडे के निचले स्तर पर पहुंच गया। शेयर बाजार एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस गिरावट को खरीदारी के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए क्योंकि आगे चलकर पीएनबी शेयर की कीमत 110 रुपये प्रति शेयर के स्तर तक जा सकती है।

2023 में शेयर बाजार निवेशकों की संपत्ति में आया उछाल

नईदिल्ली। शेयर बाजार के लिए 2023 एक यादगार वर्ष रहा। सकारात्मक कारकों के दम पर शेयरों में शानदार तेजी आई और दलाल स्ट्रीट के निवेशकों ने इस साल अपनी संपत्ति में 80.62 लाख करोड़ रुपये जोड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद, राजनीतिक स्थिरता, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अगले साल तीन संभावित दरों में कटौती को लेकर संकेत देने और भारी खुदरा निवेशकों की भागीदारी ने 2023 में शेयर बाजार में तेजी लाने में अहम भूमिका निभाई। इस साल 28 दिसंबर तक 30 शेयर वाले बीएसई सेंसेक्स ने 11,569.64 अंक या 19 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। इस साल अभी तक बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 80,62,310.14 करोड़ रुपये बढ़कर 3,63,00,558.07 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

भारत के लिए जय विज्ञान का साल रहा वर्ष 2023

संदीप अग्रवाल

अपने अंतरिक्ष विजय अभियान को तेज करते हुए इस साल भारत ने चंद्रमा और सूर्य, दोनों ग्रहों पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। दोनों अभियान, अपनी तरह से अनूठे थे। खासकर चंद्रयान-3, जिसने न सिर्फ चार साल पहले के भारतीय चंद्र मिशन-2 की असफलता से उपजी हताशा को दूर किया, बल्कि कई अभूतपूर्व उपलब्धियां भी अपने नाम लिखाईं। जैसे कि इसकी सफलता ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाला पहला और चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला विश्व का चौथा देश बनाया।

इसके रोवर प्रज्ञान ने चंद्रमा की चट्टानों और मिट्टी में मौजूद ऑक्सीजन के अलावा एल्यूमीनियम, कैल्शियम, आयरन, क्रोमियम, टाइटेनियम, मैगनीज, सिलिकॉन और सल्फर (गंधक) की उपस्थिति का पता लगाकर वहाँ वाटर आइस की मौजूदगी की उम्मीदों को मजबूत किया। इसी ने पहली बार दुनिया भर के अंतरिक्ष विज्ञानियों को बताया कि चंद्रमा की ऊपरी और निचली सतह के तापमान के बीच का अंतर उनके अनुमान से, 40-50 डिग्री सेंटीग्रेड ज्यादा है।

इसके कुछ ही दिनों के भीतर, 2 सितंबर को इसरो ने एक और रिकॉर्ड बनाया। देश के पहले सोलर मिशन आदित्य एल-1 को अंतरिक्ष में भेजकर। इस अभियान का उद्देश्य, अंतरिक्ष के मौसम पर सौर गतिविधियों के प्रभावों को समझना और उनका अध्ययन करना है। पीएसएलवी के जरिए अंतरिक्ष में भेजे गए आदित्य को एक दिन बाद ही भीषण सौर तूफान का सामना करना पड़ा। लेकिन, विशिष्ट धातुओं से बनी उसकी मजबूत देह यह तूफान आसानी से झेल गई और मिशन इससे अप्रभावित रहा। इस तरह आदित्य ने

विश्व को बता दिया कि वह भी भारत के इरादों जितना ही मजबूत है। यह अगले वर्ष 7 जनवरी को एल 1 पॉइंट पर पहुँचेगा।

भारत की तीसरी उपलब्धि है गगनयान। 21 अक्टूबर को भारत ने गगनयान मिशन की पहली टेस्ट फ्लाइट लॉन्च कर इतिहास रच दिया। यह 2025 में भारत के मानवयुक्त अभियान की पहली परीक्षण उड़ान थी, जिसमें इसरो ने अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बनाए गए क्रू मॉड्यूल को एक रॉकेट के जरिए, पृथ्वी से साढ़े सोलह किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाने में सफलता प्राप्त की और अगले साल की दूसरी परीक्षण उड़ान के लिए रास्ता खोल दिया, जिसमें व्योममित्रा नामक यंत्रमानव को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

इन तीन शानदार उपलब्धियों से पहले भी इसरो ने कई बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की थीं। जैसे कि 1 अप्रैल को री-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का सफल परीक्षण। यह विश्व में पहली बार था, जब विंग बॉडी एयरक्राफ्ट को हेलिकॉप्टर से साढ़े चार किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाकर हवाई जहाज की तरह रनवे पर लैंडिंग के लिए छोड़ा गया और वह सुरक्षित रहा। इससे पहले के सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल आसमान में जाने के बाद नष्ट हो जाते थे। इस सफलता का मतलब यह है कि एक ही व्हीकल को बार-बार इस्तेमाल करने से भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों की लागत कम होगी और अंतरिक्ष पर्यटन को भी सुगम व सस्ता बनाया जा सकेगा।

अप्रैल 2023 में सरकार ने अपनी बहु प्रतीक्षित भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 को मंजूरी देकर अंतरिक्ष अभियानों व परिचालनों में निजी क्षेत्र की संस्थागत भागीदारी का मार्ग प्रशस्त कर दिया। इससे निवेश और नवाचारों को तो बढ़ावा मिलेगा ही, साथ ही भारत के एक स्पेस सुपरपॉवर बनने में भी मदद मिलेगी। यह नीति इसरो, इन-स्पेस, एनजीई और न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड की भूमिकाओं और दायित्वों को परिभाषित करती है। जहाँ तक रक्षा क्षेत्र की बात है तो यहाँ भी भारत ने कई कीर्तिमान बनाए हैं। जैसे कि पहली बार भारत में रक्षा उत्पादन ने एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर लिया। इसकी वजह नीतिगत सुधार, आपूर्ति श्रृंखला में एमएसएमई और स्टार्ट-अप का एकीकरण आदि शामिल हैं। इनके चलते, डिजाइन, डेवलपमेंट और प्रोडक्शन में इनका योगदान बढ़ा है। निजी उद्यमियों को प्रोत्साहित करने से देश का रक्षा निर्यात भी अपने उच्चतम स्तर, 16 हजार करोड़ रुपए, पर जा पहुँचा।

जिंदगी तेरी भी, अजब परिभाषा है.....

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को भगवान का आशीर्वाद है ऐसा लगता है। राम मंदिर निर्माण से लेकर कृष्ण भूमि मथुरा तक तक के लिये भाजपा प्रयासरत है।वैसे लगता है राम,कृष्ण नामधारियों को इसीलिए भाजपा प्रमोट भी कर रही है। भाजपा केसबसे बड़े नेता तथा पीएम नरेन्द्र मोदी को 'नमो' ही कहा जाता है। राष्ट्रपति का नाम द्रोपदी महाभारत काल का चर्चित नाम,

उप राष्ट्रपति जगदीश धनगर में 'जगदीश' है। अब चलें राज्यों की और.... छग के सीएम विष्णुदेव साय में 'विष्णु' मप्र के डॉ मोहन यादव में 'मोहन' राज स्थान में भजन लाल शर्मा में 'भजन' गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल में 'भूपेंद्र' महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे में 'एकनाथ' सम में विस्वा शर्मा में 'विस्व', हरियाणा के सीएम मनोहर खटटर में 'मनोहर' सीएम आदित्य नाथ योगी में 'आदित्य' और 'नाथ' दोनों भगवान के पर्यायवाची हैँ। अब छग में कुछ बड़े नेताओं की उपेक्षा कर बनाये गये मंत्रिमंडल में भी राम-कृष्ण के नामधारियों का बोलबाला है।डिप्टी सीएम अरुण साव में 'अरुण', विजय शर्मा में 'विजय', वरिष्ठ मंत्री बृज मोहन अग्रवाल में 'मोहन', रामविचार नेताम में 'राम', केदार कश्यप में 'केदार', लखन लाल देवांगन 'लखन',(लक्ष्मण)श्याम बिहारी जायसवाल में 'श्याम' और 'बिहारी',ओम प्रकाश चौधरी में 'ओम', लक्ष्मी रजवाड़े में 'लक्ष्मी', और टंकराम वर्मा में 'राम' के नाम का उल्लेख है।

मोदी है तो सब मुमकिन है... नया प्रयोग.....?

मोदी है तो मुमकिन है.... यह स्लोगन कम से कम भाजपाईयों के बीच तो लोकप्रिय है ही और कई मौकों में इसे साबित करने का प्रयास भी किया गया है... हाल फिलहाल तो छग,मप्र और राजस्थान राज्य में बनी भाजपा की सरकार को लेकर ही है। छग में विष्णुदेव साय की सरकार बनी,मंत्रिमंडल भी बना और केंद्र सरकार में राज्य मंत्री रही रेणुका सिंह, सांसद गोमती

साय विधायक तो बनीं पर उन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली,15 साल छग के सीएम रहे डॉ रमन सिंह को विस अध्यक्ष पद से संतुष्ट होना पड़ा। इधर सांसद विजय बघेल को अपने चाचा भूपेश बघेल से पराजित होना पड़ा। मप्र में डॉ मोहन यादव सीएम बने और करीब 18साल तक सीएम रहे शिवराज सिंह सिर्फ विधायक बनकर रह गये। केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल रहे नरेंद्र तोमर को विस अध्यक्ष बनना पड़ा तो केंद्रीय मंत्री रहे प्रहलाद पटेल तथा भाजपा के महामंत्री,पश्चिम बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय को डॉ मोहन मंत्रिमंडल का हिस्सा बनना पड़ा..? तो एक अन्य केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को पराजय का सामना करना पड़ा।वैसे मप्र में पूर्व सीएम बाबूलाल गौर बाद में शिव राजसिंह चौहान के मंत्रि मंडल में मंत्री के रूप में शामिल भी रहे,यह भी भाजपा का एक नया प्रयोग रहा था।राजस्थान की 2 बार सीएम रही वसुंधरा राजे सिंधिया की जगह पहली बार के विधायक भजन लाल शर्मा को सीएम बनाया गया....?इधर विजयी पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद यदि राज स्थान मंत्रिमंडल का हिस्सा बना दिया जाएगा तो आश्चर्य नहीं होगा?

विजय गृह तो मोहन को सम्पूर्ण शिक्षा का जिम्मा

छग मंत्रिमंडल में विभागों का वितरण कर दिया गया है।सीएम विष्णुदेव साय के पास सामान्य प्रशासन, ऊर्जा,खनिज,जनसम्पर्क आबकारी और परिवहन डिप्टी सीएम विजय शर्मा गृह,जेल एवं पंचायत,डिप्टी सीएम अरुण साव पीडब्लूडी पीएचई,नगरीय प्रशासन, विधि विधायी बृजमोहन अग्रवाल को स्कूल शिक्षा,उच्च शिक्षा संसदीयकार्य,पर्यटन संस्कृति,धर्मस्य,राम विचार नेताम अजा/जजा,पिछड़ा कृषि,दयालदास बघेल खाद्य नागरिक एवं आपूर्ति ओपी चौधरी वित्त,वाणिज्य कर,आवास एवं पर्यावरण केदार कश्यप वन,जल संसाधन एवं सहकारिता लखनलाल देवांगनवाणिज्य उद्योग एवं श्रम श्याम बिहारी जायसवाल लोक स्वास्थ,चिकित्सा शिक्षा लक्ष्मी राजवाड़े महिला एवं बाल विकास समाज कल्याण और टँकराम वर्मा राजस्व,खेल एवं युवा कल्याण का जिम्मा सम्हालेंगे।

कॉंग्रेसः दो बड़ी समिति में बबा और कका ..

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बावजूद पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव(बवा) को कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के घोषणापत्र का संयोजक नियुक्त किया है।वहीं विभिन्न विपक्षी दलों के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में सीटों को लेकर शेयरिंग कमेटी में पूर्व सीएम भूपेश बघेल (कका) को शामिल किया गया है।घोषणा पत्र समिति की अध्यक्षता पार्टी के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम करेंगे। समिति में महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई वरिष्ठ नेताओं को जगह दी गई है।छग के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को समिति का संयोजक बनाया गया है।अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र समिति का गठन किया है। समिति में चिदंबरम, टीएस सिंहदेव के साथ ही कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया,प्रियंका गांधी वाड्रा,जयराम रमेश शशि थरूर,छग की राज्य सभा सदस्य रंजीत रंजन आदि को शामिल किया गया है।

कौशल्या माता विहार: कर्ज से मुक्त हुआ आरडीए

कुल ऋण में से राशि रूपये 334 करोड़ का पिछले डेढ़ वर्ष की अवधि में ही भुगतान

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण के द्वारा कौशल्या माता विहार के विकास हेतु सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा सदर बाजार रायपुर से कुल 600 करोड़ रूपये ऋण लिया गया था। कौशल्या माता विहार के अंतर्गत कुल 16 सेक्टर विकसित किये गये हैं जिसमें आवासीय भूखंड तथा व्यावसायिक भूखंड का विकास किया गया। कौशल्या माता विहार में लगभग 153 नग स्थल उद्यान विकास के लिए आरक्षित है जिसका क्षेत्रफल लगभग 98 एकड़ है।

सेन्ट्रल बैंक से ली गई कुल ऋण में से राशि रूपये 334 करोड़ का पिछले डेढ़ वर्ष की अवधि में ही भुगतान कर पूर्ण कर्ज से मुक्त हो गई है। वर्तमान में आर.डी.ए. पर किसी भी बैंक का, किसी प्रकार का कोई ऋण बकाया नहीं है।

छत्तीसगढ़ शासन के आवास एवं पर्यावरण सचिव महादेव कांवरे द्वारा रायपुर विकास प्राधिकरण कार्यालय, भक्त माताकर्मा परिसर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी धर्मेश कुमार साहू, अति. मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती शिम्मी नाहिद एवं मुख्य लेखा अधिकारी आर. के. निराला, राजस्व अधिकारी (तहसीलदार) श्रीमती ज्योति सिंह, प्रभारी अधीक्षण अभियंता द्वय अनिल गुप्ता एवं एम.एस. पाण्डेय, सहायक अधीक्षक धमेन्द्र सेंगर, राजस्व शाखा के यतीश मिश्रा एवं वित्त सलाहकार बंकिम शुक्ला मार्केटिंग सलाहकार राजवर्धन राठौर की उपस्थिति में सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा सदर बाजार रायपुर के चीफ मैनेजर रिकवरी राजीव सिंग एवं सीनियर मैनेजर विमल नायर को अंतिम किस्त चार करोड़ पैतालीस हजार एक सौ सैतालिस रूपये का चेक सौंपा गया। इसके पूर्व दिनांक 28.12.2023 को रूपये 20 करोड़ का चेक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखा सदर बाजार रायपुर को दिया गया।

मठपुरैना सुसाइड मामले में खुलासा

आर्थिक तंगी और कर्ज के बोझ के चलते सामूहिक खुदकुशी

रायपुर। राजधानी के मठपुरैना के बीएसयूपी हाउसिंग बोर्ड में पति-पत्नी और बेटी खूदकुशी मामले में पुलिस को घटना स्थल से एक सुसाइड नोट मिला है। नोट में आत्महत्या का करण आर्थिक तंगी बताया गया है। मृतक ने कर्ज और आर्थिक तंगी के चलते सामूहिक खुदकुशी की बात कही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच में जुट गई है। साथ ही पुलिस पता लगाने में जुटी हुई हैं कि कहीं कोई लेनदार रूपयों को लेकर मृतकों को परेशान तो नहीं कर रहा था। पुलिस इन सभी एंगल से मामले की जांच कर रही है।

दरअसल, टिकरापारा थाना क्षेत्र के मठपुरैना स्थित बीएसयूपी कॉलोनी ब्लॉक 2 के फस्ट फ्लोर के एक मकान से 28 दिसंबर की

सुबह तेज बदबू आ रही थी। फ्लैट का दरवाजा तीन दिनों से अंदर से लॉक भी था। आस-पड़ोस के लोगों को शक हुआ तो उन्होंने बाहर से दरवाजा भी खटखटाया। दरवाजा नहीं खुला तो इसकी सूचना टिकरापारा थाना को दी। दोपहर में पुलिस की टीम फ्लैट पर पहुंची और खिड़की खोलकर अंदर झांका तो उनके होश उड़ गए। घर के अंदर परिवार के तीनों लोगों का शव नायलॉन की रस्सी से लटका हुआ था, जिसके बाद एफएसएल की टीम को बुलाया गया। दरवाजा खुलवाकर पुलिस अंदर पहुंची तो तीनों के शव सड़ चुके थे और उनमें से काफी बदबू भी आ रही थी।

पुलिस ने तीनों के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूछताछ में पड़ोसियों ने बताया कि सेन परिवार किसी से बातचीत नहीं करता था। घर के सभी लोग शांत स्वभाव के थे और ना ही किसी से उनका विवाद कॉलोनी में था। पुलिस की जांच में कमरे से एक सुसाइट नोट मिला है, जिसमें आत्महत्या का कारण आर्थिक तंगी और कर्ज की बात लिखी गई है।

मृतकों में लखन लाल सेन 48 वर्ष, पत्नी रानू सेन 42 वर्ष और पुत्री पायल सेन 14 वर्ष है। फिलहाल पुलिस मामले में सुसाइड नोट जब्त कर जांच कर रही है। साथ ही मृतकों पर कर्ज को लेकर कोई दबाव तो नहीं था इसकी भी जाँच की जा रही है।

कांग्रेस ने बनाई जांच कमेटी

इधर इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने घटनाक्रम की जांच के लिए एक जांच टीम गठित की है।

प्रमुख समाचार
छत्तीसगढ़/राजधानी

स्कूलों में शिक्षा के साथ संस्कार भी मिलेः बृजमोहन

रायपुर। आज के समय बच्चों में ज्यादा से ज्यादा नंबर लाने के लिए परिवार और समाज की तरफ से दबाव दिया जाता है। जिससे बच्चे मानसिक अवसाद तक में चले जाते हैं। जो बिल्कुल भी उचित नहीं है। स्कूलों और शिक्षकों का दायित्व है कि, बच्चों की छुपी प्रतिभा स्पोर्ट्स, डांस, सिंगिग को भी निखारें। उक्त बातें प्रदेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने शिवोम विद्यापीठ के वार्षिक उत्सव शिवोम संस्कृति एनुअल कल्चरल फेस्ट 2023 के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि स्कूल केवल मार्कशीट बांटने के केंद्र नहीं होने चाहिए बल्कि स्कूल संस्कार और संस्कृति के केंद्र होने चाहिए। स्कूलों में धर्म, अध्यात्म, संस्कार, संस्कृति, नैतिकता और अनुशासन पर भी जोर देना चाहिए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने कौशल और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

22 को रामलला मंदिर में विराजेंगे भगवान राम, कोटा में होगा 11 लाख दीप प्रज्वलित

रायपुर। 22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे भव्य मंदिर में भगवान राम विराजमान होंगे और इस पूरा भारत जगमगाएगा। छत्तीसगढ़ में भी इसकी तैयारी की जा रही है। एक्स आर्मी फाउंडेशन एवं स्व. श्री पुरुषोतम अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से 22 जनवरी की शाम को 5 बजे विवेकानंद विद्यापीठ के सामने गुढियारी रोड कोटा में 11 लाख दीप प्रज्वलित करने के साथ ही लेजर शो का आयोजन किया गया है। जहां विश्व विख्यात संत शिरोमणि पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर) 23 से 27 जनवरी दोपहर को 3 बजे से संध्या 7 बजे तक रोजाना हनुमंत पर श्रद्धालुओं को कथा सुनाएंगे, इस दौरान किसी भी दिन दिव्य दरबार लग सकता है। उक्त जानकारी श्री बागेश्वर धाम कथा आयोजन समिति के बसंत अग्रवाल व श्री दिनेश मिश्रा ने संयुक्त रुप से बताया कि राजधानी रायपुर में श्री बागेश्वर धाम सरकार दूसरी बार आ रहे है जिसकी तैयारियों में एक्स आर्मी फाउंडेशन एवं स्व. श्री पुरुषोतम अग्रवाल फाउंडेशन के लोग जुट गए है। 22 जनवरी को जहां भगवान श्रीराम अयोध्या के रामलला मंदिर में विराजन होंगे।

नन्ही अंजू बिरहोर ने कहा बड़ी होकर मैं बनूंगी स्कूल की मैडम, मुख्यमंत्री ने कहा शाबाश

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज रायगढ़ जिले के अंतिम छोर पर लैलूंगा के भुइंयापानी में बिरहोर परिवारों से मुलाकात के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने सभी का हाल चाल जाना। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात करने बिरहोर परिवार के बच्चे भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान बच्चों को उपहार दिया और उनसे भी बातें की। इस दौरान नन्ही अंजू बिरहोर से जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पूछा कि बड़ी होकर क्या बनोगी, अंजू ने मुस्कान के साथ कहा कि मैं स्कूल की मैडम बनूंगी, मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा शाबाश!। उन्होंने बच्ची के पिता से कहा कि बिटिया को खूब पढ़ाए। शासन की योजनाओं का लाभ भी बच्ची को पढ़ाई में मिलेगा।

31 दिसंबर से 2 जनवरी तक वर्षा की चेतावनी

रायपुर। इस बार नए साल के जश्न में बारिश अड़चन बन सकती है. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 5 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है. विभाग ने 31 दिसंबर और 1 जनवरी के लिए चेतावनी जारी की है. विभाग ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी से निचले स्तर की पूर्वी हवाओं के कारण 31 दिसंबर, 2023 से 2 जनवरी, 2024 के दौरान उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हल्की छिटपुट वर्षा होने की संभावना है. वहीं विभाग ने 31 दिसंबर, 2023 से 3 जनवरी, 2024 तक भारत के दक्षिणी हिस्से के कुछ राज्य, जैसे कि तमिलनाडु और केरल में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है.

4 दिवसीय छत्तीसगढ़ गुजराती प्रीमियर लीग का रायपुर में हुआ आगाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर शहर में दशा सोरठिया वणिक समाज रायपुर द्वारा 28 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक सेक्रा स्टेडियम डब्ल्यू आरएस कालोनी रायपुर में छत्तीसगढ़ गुजराती प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है. इस 4 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के गुजराती भाईयों के बीच क्रिकेट का अद्वितीय मुकाबला देखने को मिलेगा. छत्तीसगढ़ गुजराती प्रीमियर लीग का आगाज महिला मंडल के मातृशक्तियों के दो टीम के साथ हुआ. विनर टीम को 31000 रूपये एवं रनर अप टीम को 21000 रूपये व ट्राफी प्रदान किया जायेगा. छत्तीसगढ़ गुजराती प्रीमियर लीग के मुख्य प्रायोजक एन.आर. गुजराती एसोसिएशन छत्तीसगढ़ है.

रिमोट कंट्रोल से चल रही सरकार, बदले की भावना से काम कर रही भाजपाः बैज

रायपुर। धान खरीदी की तारीख दो माह बढ़ाने की मांग पीसीसी चीफ दीपक बैज ने की है. उन्होंने कहा, कांग्रेस की सरकार थी तो हर साल हम समय बढ़ाकर धान खरीदी करते थे. धान खरीदी की अवधि समाप्ति की ओर है. भाजपा टारगेट का आधा भी टच नहीं कर पाई. भाजपा की सरकार धान खरीदी में असफल साबित हुई. मियादी की तिथि खत्म हो रही, टारगेट पूरा नहीं हो पाया. न खरीदी की अवधि दो महीने बढ़ानी चाहिए. रायपुर में एक ही परिवार के तीन लोगों ने आत्महत्या की. इस मामले में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, मामला गंभीर है. भाजपा की सरकार जब से बनी है तब से आर्थिक तंगी का मामला सामने आ रहा. कर्ज से डूबे हुए मामले लगातार सामने आ रहे. आत्महत्या के मामले बढ़ रहे. कांग्रेस जल्द जांच कमेटी बनाकर मामले की जांच करेगी. राम मंदिर को लेकर भाजपा ने कांग्रेस से स्पष्टीकरण मांगा है. इस मामले में पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, राम मंदिर दर्शन करने के लिए या अन्य मंदिरों के दर्शन करने के लिए क्या भाजपा से प्रमाण लेना पड़ेगा ? भगवान सबके हैं, जिनकी इच्छा हो, जिनके पास समय होगा वे जरूर जाएंगे. भाजपा इस तरह का बयान जारी कर राजनीतिक लाभ लेती है. पुरानी योजनाओं के जरिए पैसों का बंदरबांट हुआ.

जनता की प्रमुख मांग वाली सड़कों के निर्माण कार्यों को दें प्राथमिकता: पिंगुआ

रायपुर। प्रमुख सचिव गृह एवं वन विभाग मनोज पिंगुआ ने कहा कि क्षेत्र में विकासात्मक कार्यों का अच्छा प्रयास किया जा रहा है, जिसका निकट भविष्य में बेहतर परिणाम दिखने लगेगा। उन्होंने कहा कि निर्माण विभाग क्षेत्र की जनता की प्रमुख मांग वाली सड़कों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दें। साथ ही अंदरूनी इलाकों में सड़क, पुल-पुलिया निर्माण के लिए राजस्व, पुलिस व वन विभाग मिलकर कार्यो को गति दें। प्रमुख सचिव पिंगुआ शुक्रवार को जिला कार्यालय के आस्था सभाकक्ष में पुलिस, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाय और टेली कम्यूनिकेशन संस्था के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

प्रमुख सचिव ने टेली कम्यूनीकेशन संस्थाओं द्वारा बस्तर संभाग क्षेत्र में किया जा रहे कार्यो की समीक्षा। इसके साथ पीएमजीएसवाय के सड़कों के विकास, लोक निर्माण विभाग के एलडब्ल्यूई अन्तर्गत आरआरपी-01,02 के निर्माण कार्यो की प्रगति की, छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र राज्य की सीमा में सड़क-पुल निर्माण कार्यों की प्रगति, सीएसपीडीसीएल के द्वारा विद्युतिकरण के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में प्रमुख सचिव ने पीएमजीएसवाय के अधिकारियों को सड़कों के विकास लगे मजदूरों का भुगतान तत्काल करवाने पर जोर दिया। उन्होंने बस्तर क्षेत्र में संवदेनशील इलाको में जो क्षेत्र नक्सलमुक्त हुए हैं उन स्थानों के नाम से अन्य जगहों में संचालित आश्रम-छात्रावास, हॉस्टल को उसी गांव में संचालित करवाने पर भी चर्चा किया। साथ ही पुलिस विभाग के द्वारा संचालित मनवा नवा नार के प्रगति पर भी चर्चा। बैठक में वन विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा में वनधन विकास केन्द्र प्रधानमंत्री जनमन के हितग्राही मूलक, स्व-सहायता समूह द्वारा की जा रही आर्थिक गतिविधियों लाईवलीहुड का अवसर बढ़ाने पर जोर दिया। इसके अलावा कैम्पा निधि के कार्यो, वृक्षारोपण के लिए कार्ययोजना, हितग्राहियों का चयन, लघुवनोपज क्रय, लघुवनोपज संग्राहकों का पंजीयन कार्यो, नदी किनारे वृक्षारोपण, वन्यजीव-मानव संघर्ष की घटना विषय पर आवश्यक चर्चाकर निर्देश दिए।

पुष्करणा प्रीमियम लीग का बृजमोहन ने किया शुभारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सुभाष स्टेडियम में पुष्करणा प्रीमियम लीगसीजन 4 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने बल्लेबाजी

पर भी हाथ आजमाया। मौके पर उपस्थित आयोजकों, खिलाड़ियों, दर्शकों और समाज के लोगों को संबोधित करते हुए श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, खेल का मैदान बहुत कुछ सीखता है। श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आयोजन के लिए पुष्टिकर ब्राह्मण समाज को बधाई दी और आगे भी इस प्रकार के आयोजन जारी रखने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में श्री चंद्रप्रकाश व्यास, मनीष वोरा, राहुल पुरोहित, पंकज छंगानी, अमिताभ जोशी, लोकेश व्यास, केशव व्यास, माधव व्यास, योगेन्द्र बोहरा, जयकिशन जोशी, रामगोपाल व्यास, अरुण पुरोहित शेफाली पुरोहित भी उपस्थित रहे। पुष्करणा प्रीमियर लीग का आयोजन समाज के युवाओं में खेल प्रतिभा का विकास करने के लिए किया जा रहा है जिसमे छत्तीसगढ़ के अलावा राजस्थान और गुजरात से भी खिलाड़ी हिस्सा लेने आ रहे हैं

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.